राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–23 | अंक–10 | मई–जून, 2023 | कुल पृष्ठ–28 | मूल्य–₹15

माननीय मुख्यमंत्री जी स्काउट से मिलते हुए एवं अलवर आगमन पर तिलक कर स्वागत करती हुई गाइड

लोकार्पण व अन्य कार्यक्रमों की झलकियां

झुंझुनू में सांसद निधि कोष से तैयार 2 हट्स का लोकार्पण करते हुए माननीय सांसद श्री नरेंद्र कुमार। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य उपाध्यक्ष श्री आत्माराम टिबड़ेवाल, एएसओसी बीकानेर श्री मानमहेन्द्र सिंह भाटी लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत करते हुए।

शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल शिविर में शिरकत करते हुए

स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स) श्री महेन्द्र पारख, आई.ए.एस. को उनके कार्यालय कक्ष में जम्बूरी का स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

जैव विविधता दिवस पर झुंझुनू स्काउट कार्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री बृजेन्द्र ओला

जिला मुख्यालय पाली पर भामाशाहों द्वारा 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित विकास कार्यों (स्काउट हट, जलग्रह (प्याऊ), भोजनशाला और किचनशेड) का जिला कलक्टर नमित मेहता द्वारा लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर भामाशाह सम्मान समारोह और 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता को देखते हुए जिला कलक्टर महोदय ने 07 लाख की लागत से 2 स्काउट हट का निर्माण करवाने की घोषणा भी की।

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 10
मई–जून, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

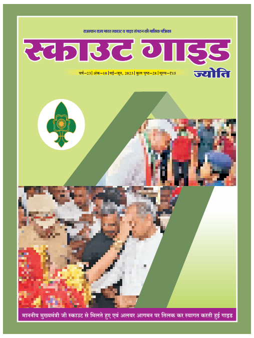

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
शिक्षा निदेशक ने किया स्काउट शिविर का अवलोकन	5
प्रदेश में दूसरा स्काउट आवासीय विद्यालय हुआ शुरू	5
स्काउट हट्स का लोकार्पण	6
पृथ्वी दिवस आयोजन	7
एक दिवसीय कब बुलबुल शिविर	7
प्रशिक्षण केंद्र बनाथला का अवलोकन	8
अर्थियन पर्यावरण मित्र पुरस्कार	8
मैसेंजर ऑफ पीस स्टार अवार्ड	9
जल है तो जीवन है	10
पृथ्वी दिवस सप्ताह आयोजन	11
गतिविधि दर्पण	12
पर्यावरण मित्र भारतीय जीवन दृष्टि	18
हमारे महापुरुष : क्रांतिकारी वीर शहीद : राम प्रसाद 'बिस्मिल'	20
नेशनल ग्रीन कौर : जैव विविधता कुछ रोचक तथ्य	21
हमारा स्वास्थ्य : 30 टिप्स गर्मियों में चुस्त रहने के	22
पर्यटन स्थल : पाली–कलात्मक मंदिरों का शहर	23
दक्षता पदक	25
गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

ग्रीष्मावकाश

विभिन्न गतिविधियों का समय

गर्मियाँ शुरू हो गई है, सभी की परीक्षाएं भी समाप्त हो चुकी है। वर्ष पर्यन्त जिन दो महीनों का सभी छात्रों को इन्तज़ार रहता है, वह समय भी आ गया। परन्तु आज हम देखते हैं कि समय की रफ़्तार तो वही है परन्तु पुस्तकों का बोझ इतना हो गया है कि उसके गहन अध्ययन के लिए बच्चों को अपनी रफ्तार बढ़ानी पड़ रही है। इस दौड़ में बच्चों को अपने लिए कभी समय नहीं मिलता कोई बाहरी ज्ञान उन्हें प्राप्त नहीं हो पाता। मैं इतना कहना चाहता हूँ कि ग्रीष्मावकाश में बच्चों को छुट्टियों का आनन्द लेने दें।

यह संगठन अपने प्रादुर्भाव के साथ ही अपने आबूपर्वत की हरी–भरी वादियों के मध्य स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर विभिन्न शिविरों के माध्यम से स्काउटिंग के प्रशिक्षण व साहसिक शिविर भी आयोजित करता रहा है, जिनमें सैकड़ों युवा व किशोर स्काउट गाइड ही नहीं बल्कि संगठन के वयस्क लीडर्स की भी सक्रिय भागीदारी होती है। ग्रीष्म में प्रदेश के एक मात्र पर्वतीय स्थल आबूपर्वत के आनन्द का अलग ही आलम होता है। वहीं दूसरी ओर रोवर–रेंजर व स्काउटर–गाइडर के लिए प्रदेश से बाहर दार्जिलिंग में आयोजित होने वाली हाइक शिक्षा तो प्रदान करेगी ही, साथ ही भ्रमण का आनन्द भी देगी।

क्षेत्रीय स्तर पर पक्षियों के लिए परिण्डा अभियान, पथिकों के लिए जल सेवा आदि अनेक सेवा शिविर होंगे जो स्काउट गाइड को सेवा का प्रकल्प पूरा करने का अवसर प्रदान करेंगे। इसी अवधि में अभिरूचि केन्द्रों (हॉबी सेन्टर्स) का संचालन सम्पूर्ण प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर होगा, जो बालक–बालिकाओं को स्वावलम्बन की दिशा में अग्रसर करते हुए प्रतिस्पर्द्धा के युग में जीविकोपार्जन का मार्ग प्रशस्त करने का सार्थक प्रयास है। इनके द्वारा अनेक विषयों का प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराया जाता है, जो स्वरोजगार की दिशा में एक सार्थक कदम है।

आशा है कि प्रदेश स्काउट गाइड संगठन की आपको आनन्दित करने वाली ग्रीष्मावकाश में आयोजित होने वाली गतिविधियों का अधिकाधिक किशोर, युवा व आम नागरिक लाभ उठायेंगे।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्द्धन के कार्यों में स्काउट–गाइड संगठन ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। आपके समक्ष मैं विशेष रूप से नेशनल ग्रीन कोर कार्यक्रम का उल्लेख करना चाहूँगा। इस महत्वाकांक्षी योजना को सर्वप्रथम स्काउटिंग में हमारे प्रदेश ने ही अंगीकार किया तथा अल्प समय में ही प्रत्येक जिले में 250 इको क्लब्स का गठन कर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया, जो अब बढ़ कर 500 इको क्लब प्रति जिला हो चुके हैं। जिसके सुखद परिणाम रहे कि हमारी 16 हजार 5 सौ यूनिटों में इको क्लबों के गठन के साथ ही सक्रियता आ गई और पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए। इस प्रकार राज्य के 16 हजार 5 सौ विद्यालय इको क्लब के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का दायित्व पूरी जिम्मेदारी के साथ तो निभा ही रहे हैं साथ ही स्काउटिंग की गतिविधियाँ भी संचालित कर रहे हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में पूर्ण मनोयोग और गंभीरता से किये जा रहे कार्य के परिणामस्वरूप प्रत्येक वर्ष हमारे चयनित इको क्लब विद्यालयों को 'अर्थियन पुरस्कार' एवं 'पर्यावरण मित्र पुरस्कार' का मिलना है, जो पर्यावरण के क्षेत्र में उत्तम और श्रेष्ठ कार्यों के आधार पर मिलने वाले राष्ट्र स्तर के पुरस्कार हैं। हमें गर्व है कि राष्ट्रीय स्तर पर हमारे कार्यों को सराहा गया है।

हमारी मान्यता है कि यदि पारिस्थितिकी यानि पर्यावरण सुधार की योजना अपने घर व विद्यालय से सुनियोजित तरीके से प्रारम्भ की जाए तो समुदाय में एक अच्छा संदेश व प्रेरक सोच का संचार होगा जो वास्तव में प्रदूषण निवारण व पर्यावरण सुधार के लिए सहायक है। आप सभी मिल कर जो भी कार्य करें उसको इस सोच के साथ करें कि वह आपकी यादगार का एक अनुपम उदाहरण बनकर रहे।

याद रहे.....पर्यावरण संरक्षण हम सभी का दायित्व है।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

शिक्षा निदेशक ने किया स्काउट शिविर का अवलोकन

◇ मानमहेन्द्र सिंह भाटी
ए.एस.ओ.सी. स्काउट, बीकानेर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के निर्देशन में राजस्थान में यूनिट लीडर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में स्काउट गाइड मंडल प्रशिक्षण केंद्र, बीकानेर पर 3 से 9 मई तक आयोजित सात दिवसीय कब मास्टर, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स के समापन अवसर पर 9 मई को शिक्षा निदेशक डॉ. गौरव अग्रवाल ने शिविर का अवलोकन किया।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन युवाओं में अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा जागृत करता है। साथ ही जीवन में एडवेंचर गतिविधियों के माध्यम से साहस की भावना विकसित करता है। जनवरी में हुई 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी का राजस्थान सरकार द्वारा सफल आयोजन किया गया है, जिसमें देश–विदेश से 35000 से अधिक स्काउट गाइड ने सहभागिता की। इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर विमला मेघवाल भी उपस्थित रहीं।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि शिविर में बीकानेर संभाग के बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर एवं झुंझुनू के 240 अध्यापक अध्यापिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से ये सभी अपने विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधि का सक्रिय संचालन करेंगे। शिविर में महिपाल सिंह तंवर सी.ओ. स्काउट चूरू, भारत भूषण सी.ओ. स्काउट हनुमानगढ़, ज्योति रानी महात्मा सी.ओ. गाइड बीकानेर, मोनिका यादव सी.ओ. गाइड गंगानगर, संतोष निर्वाण, विजय सिंह सहारण, रोशन खान, देवदास, सुगनाराम चौधरी, चंचल चौधरी, विकास गुर्जर, देवीलाल वर्मा, संतोष शेखावत, विद्या पारीक, उषा बब्बर, ऋतु गौड़ आदि ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रदेश में दूसरा स्काउट आवासीय विद्यालय हुआ शुरू

मुख्यमंत्री ने बजट में की थी घोषणा

राजस्थान सरकार बजट घोषणा 2023 के बिंदु संख्या 348.06.00 की अनुपालना में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में प्रदेश का दूसरे स्काउट आवासीय विद्यालय लक्ष्मणगढ़–सीकर में सत्र 2023 से कक्षा 6 से 8 के लिए (पूर्ण कक्षा 6 से 12 तक तथा कक्षा 11 तथा 12 में गणित व विज्ञान संकाय) अंग्रेजी माध्यम में प्रारंभ किया गया है। आगामी वर्षों में कक्षा 6 में प्रवेश होगा तथा प्रत्येक वर्ष एक कक्षा आगे बढ़ती जावेगी।

राजस्थान प्रदेश में शिक्षा के बढ़ते आयामो में सीकर जिला अग्रणी स्थान पर आता है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार का शिक्षा की नगरी में स्काउट विद्यालय खोलकर संपूर्ण राजस्थान प्रदेश के सुविधाओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के ऐसे छात्र जो उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ रहते हैं, के लिए उक्त विद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन करने का सुनहरा मौका है। विद्यालय में राज्य सरकार द्वारा समस्त प्रकार की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाएगी। छात्रों का शिक्षण कार्य अंग्रेजी माध्यम में नवोदय स्कूल एवं सैनिक स्कूल के पैटर्न पर कराया जाएगा। विद्यालय स्टाफ भी छात्रों के साथ विद्यालय परिसर में ही रहते हुए अध्यापन कार्य के साथ प्रारंभ से ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराएंगे।

आवासीय विद्यालय में छात्रों को दो–दो स्काउट यूनिफॉर्म में 1–1 ट्रेकसूट, 1–1 नेकर टी–शर्ट, 2 जोड़ी जूते जुराब, एक जोड़ी ब्लेज़र तथा स्वेटर सहित समस्त स्टेशनरी, पाठ्यपुस्तकें, संपूर्ण खेल सामग्री, आवास, भोजन, बेडशीट, पीलो मय कवर, बर्तन, दैनिक उपयोग की समस्त सामग्री आदि विद्यालय से उपलब्ध कराई जावेगी।

आवासीय विद्यालय में अध्ययन हेतु छात्रों के प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। प्रवेश के लिए 20 मई 2023 अंतिम तिथि थी। प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के लिए विद्यालय की वेबसाइट से आवेदन निकालकर भरकर राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, राज्य प्रशिक्षण केंद्र, जगतपुरा, जयपुर पर जमा करवाने की सुविधा भी दी गई थी।

स्काउट हट्स का लोकार्पण

माननीय सांसद ने की और हट्स बनाने की घोषणा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझनू के तत्वावधान में 8 मई को सांसद निधि कोष से निर्मित हट्स का लोकार्पण समारोह झुंझुनूं के माननीय सांसद श्री नरेंद्र कुमार के मुख्य आतिथ्य, स्काउट गाइड राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन की अध्यक्षता, स्काउट गाइड प्रदेश उपाध्यक्ष आत्माराम टीबड़ेवाल, सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सांसद महोदय श्री नरेन्द्र कुमार ने सांसद निधि कोष से निर्मित हट्स का लोकार्पण किया। इससे पूर्व वहाँ चल रहे स्काउट गाइड शिविर में ध्वजारोहण करने के पश्चात पक्षियों के लिए परिंडे लगाए एवं शिविरार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि स्काउट गाइड अनुशासन का पर्याय है। अनुशासन में रहकर उत्तरोत्तर प्रगति की जा सकती है। उन्होंने शिक्षकों से निवेदन किया कि पूर्ण, लगन, निष्ठा से परिश्रम करते हुए कमजोर बच्चो को आगे बढ़ाने में सहयोग कीजिए। सांसद महोदय ने गुरु की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है।

माननीय सांसद ने और हट्स बनाने हेतु सांसद निधि कोष से राशि जारी करने की घोषणा करते हुए कहा कि यदि बालक बालिकाओं को अच्छी सुविधा मिलती है तो यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि झुंझुनूं जिले की स्काउटिंग गाइडिंग राजस्थान प्रदेश में उत्कृष्ट स्तर की है। स्काउट गाइड संगठन समाज में रचनात्मक कार्य करता है। प्रदेश में स्काउट्स गाइड्स बेहतरीन कार्य कर रहे हैं, समाज सेवा के साथ–साथ सम्पूर्ण भारत में अपनी अमिट पहचान बनाए हुए हैं। स्काउट गाइड द्वारा पूरे राजस्थान में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

स्काउट गाइड के प्रदेश उपाध्यक्ष आत्माराम टिबड़ेवाल ने कहा कि सांसद निधि कोष से निर्मित हट्स बालक बालिकाओं के लिए उपयोगी साबित होंगी। सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी ने सभी का आभार प्रकट किया तथा सी.ओ. गाइड सुभिता कुमारी महला ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर लीडर ट्रेनर प्रहलाद राय जांगिड़, राम अवतार सबलानिया, शिव प्रसाद वर्मा, मुरारीलाल सैनी, रामदेव सिंह, राजेश कुमार, अमरचंद, दिनेश कुमार, सुनीता बेनीवाल, निर्मला, अनीता कटेवा, प्रियंका कुमारी सहित 77 विद्यालयों की गाइड कैप्टन, 41 विद्यालयों के स्काउट यूनिट लीडर सहित रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट महेश कलावत ने किया तथा कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ। इस अवसर पर माननीय सांसद नरेंद्र कुमार ने स्काउट्स, गाइड्स के लिए हट्स निर्माण हेतु सांसद निधि कोष से राशि देने की घोषणा की, जिस पर सभी ने धन्यवाद अर्पित किया।

जयपुर

पृथ्वी दिवस आयोजन

भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 22 अप्रेल को पृथ्वी दिवस पर कब बुलबुल, स्काउट गाइड व रोवर रेंजर्स ने विभिन्न

स्थलों पर परिण्डा व चुग्गा पात्र बांध कर परिण्डा अभियान का शुभारम्भ किया। राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर स्काउट्स व गाइड्स ने परिण्डे बांधे तथ प्रतिज्ञा ली कि वे प्रतिदिन कम से कम 5–5 पेड़ पौधों में तथा परिण्डों में जल भराव का कार्य करेंगे। पॉलीथिन की थैलियों का उपयोग नहीं करेंगे तथा पेड़ पौधों को नुकसान नहीं पहुँचाएंगे।

जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में स्काउट गाइड द्वारा परिण्डे बांध कर लोगों को प्रकृति व पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को निभाने का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन तथा राजस्थान आवासन मण्डल पार्क के मैनेजर श्री एम.एम. शर्मा ने पक्षियों की प्यास बुझाने के पुण्य कार्य हेतु सिटी पार्क में उपस्थित होकर परिण्डों में जल भरा। इस मौके सहा.राज्य संगठन आयुक्त श्रीमती नीता शर्मा ने स्काउट्स गाइड्स को पृथ्वी दिवस की महत्ता पर जानकारी प्रदान की तथा सी.ओ. श्री शरद शर्मा, श्री गणेश गुर्जर व अन्य मौजूद रहे।

मण्डल मुख्यालय, बनीपार्क, जयपुर पर भी नन्हें कब बुलबुल बालक बालिकाओं ने पृथ्वी के संरक्षण व प्रकृति प्रेम का संदेश देते हुए वृक्षारोपण का कार्य किया और पंछियों के लिए परिण्डे व चुग्गापात्र बांधे। सी.ओ. गाइड श्रीमती ऋतु शर्मा ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की।

एक दिवसीय कब बुलबुल शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर के जिला मुख्यालय, नजर बगीची, अलवर पर कब बुलबुल के एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 137 कब बुलबुल ने सहभागिता की।

शिविर का संचालन सर्कल ऑर्गेनाइजर श्रीमती कल्पना शर्मा ने किया तथा गाइडर्स श्रीमती पूनम तायल, अन्नू चौहान व स्काउटर श्री चंद्रभान ने संचालन में सहयोग प्रदान किया।

शिविर में बालक बालिकाओं को प्रवेश से लेकर हीरक पंख तक की सभी आवश्यक जानकारियां दी गई।

प्रशिक्षण केंद्र बनाथला का अवलोकन

बेसिक कोर्स संभागियों को किया संबोधित

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्थानीय संघ दांता के प्रशिक्षण केंद्र बनाथला में सात दिवसीय यूनिट लीडर स्काउट प्रशिक्षण में 35 अप्रशिक्षित शिक्षक स्काउट मास्टर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने शिविर एवं प्रशिक्षण केंद्र का 9 मई को औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्थानीय संघ के पदाधिकारियों एवं स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स के संभागियों द्वारा डॉ. जैन का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, गणेश प्रसाद गुर्जर स्काउट आवासीय विद्यालय खुड़ी लक्ष्मणगढ़ प्रभारी एवं सी.ओ. स्काउट लक्ष्मणगढ़ ने भी शिविर का अवलोकन किया।

शिविर का प्रतिवेदन रामलाल चौधरी सचिव ने प्रस्तुत किया।

डॉ. जैन ने शिविर केंद्र के विकास कार्य करवाने पर स्काउट गाइड के पदाधिकारियों, बनाथला सरपंच, भामाशाह, माननीय सांसद सुमेधानंद सरस्वती, क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह सहित स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन कमिश्नर एवं संस्था प्रधान गणों का आभार व्यक्तकिया। साथ ही शिविर में भाग लेने वाले संभागियों का स्वागत किया और सीकर जिले में अच्छी से अच्छी स्काउटिंग संचालित करने हेतु प्रेरित किया। जिले के समस्त विद्यालयों में स्काउट गाइड की गतिविधि कब बुलबुल की गतिविधि सक्रियता के साथ संचालित हो ऐसा करने के लिए सभी संस्था प्रधानों एवं स्काउटर गाइडर से आह्वान किया।

शिविर संभागियों को विद्यालय में स्काउटिंग गाइडिंग के संचालन के लिए विभिन्न विषयों का प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ ही अभ्यास कार्य करवाए जा रहे हैं। इस अवसर पर रामलाल चौधरी सचिव स्थानीय संघ दांता एवं सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट, शिविर प्रभारी प्रभु दयाल कुमावत, फूल मोहम्मद, हनुमान प्रसाद सिंघल, हेमराज कुमावत, मोहन सिंह, अंकित कुमार, मोहनलाल सुखाड़िया व प्रशिक्षक उपस्थित रहे। शिविर 11 मई तक संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रभु दयाल कुमावत ने किया।

अर्थियन पर्यावरण मित्र पुरस्कार

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खुडाला की छात्राओं के द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट अर्थियन पर्यावरण मित्र पुरस्कार के लिए राज्य स्तर पर चयनित हुए। विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका एवं गाइडर श्रीमती कांता शर्मा के निर्देशन में कक्षा 11 व 12 की छात्राएं रेखा, संजू, लीला, सुमित्रा व इंदिरा की टीम द्वारा जैव विविधता एवं सस्टेनेबिलिटी पर बनाई गई प्रोजेक्ट रिपोर्ट राज्य स्तर पर चयनित हुई।

परिणामस्वरूप विद्यालय की शिक्षिका कांता शर्मा को नैनीताल में अर्थियन पर्यावरण मित्र राज्य स्तरीय पुरस्कार 2022 से नवाजा गया। वहीं पांचों छात्राओं को राज्य स्तरीय टीम में विजेता का खिताब दिया गया।

यह पुरस्कार विप्रो फाउंडेशन की प्रोजेक्ट मैनेजर आरती हनुमंथप्पा एवं पर्यावरण शिक्षा केंद्र उत्तरी क्षेत्र भारत के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर जितेंद्र पटेल द्वारा प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह में 9 राज्यों के 42 विजेता विद्यालयों के 40 शिक्षकों ने भाग लिया। उक्त पुरस्कार के रूप में उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

संगठन की ओर से हार्दिक बधाई।

मैसेंजर ऑफ पीस स्टार अवार्ड

सभी के लिए हर्ष की बात है कि राजस्थान के कर्मठ व होनहार स्काउट गाइड व स्काउटर गाइडर को राष्ट्रीय स्तर पर MOP (मैसेंजर ऑफ पीस) स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा मैसेंजर ऑफ पीस स्टार अवार्ड के लिए देशभर से 65 युवा और वयस्क स्काउट-गाइड, रोवर रेंजर, यूनिट लीडर का चयन किया गया, जिसमें सर्वाधिक संख्या में राजस्थान के 15 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सीकर जिले से 2 रोनित जोगानी (विद्याश्रम स्कूल पोलो ग्राउंड सीकर) व गुलाब चंद कुमावत (मरुधर ओपन रोवर कू जिला मुख्यालय सीकर), झुंझुनूं से 03 रोवर लीडर विक्की कुमार, रेंजर कनुप्रिया, स्काउटर विजय गर्वा, जयपुर के उमाकांत शर्मा व अरूण शर्मा तथा अन्य जिलों के अर्जुन भाटी, यतिन वर्मा, इशिता गुप्ता सहित 15 को स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवार्ड को मिलने के बाद मैं बहुत खुश हूं। स्टार अवार्ड मिलने तक का सफर बहुत परिश्रम भरा था। मैंने लगातार समाज व देश के बेहतर निर्माण के लिए कार्य किया। चाहे वह कोविड-19 का समय हो, बाढ़ आपदाओं में सेवा या सामाजिक कार्य में सहयोग। हमने इस कार्य की रिपोर्ट बनाकर एमओपी टीम राष्ट्रीय मुख्यालय को भेजी जिसने हमें इस अवार्ड के लिए चुना। जिले के सी.ओ स्काउट श्री बसंत कुमार लाटा व जिले के पदाधिकारियों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मेरी हर तरह से मदद की है। मेरे इस अवार्ड का श्रेय माता-पिता गुरुजनों को समर्पित है।

-रोनित जोगानी व गुलाब चंद कुमावत

इस अवार्ड सेरेमनी का आयोजन उड़ीसा स्काउट गाइड के स्टेट हैडक्वार्टर स्थित सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जॉइंट डायरेक्टर, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली श्री अमर क्षेत्री ने किया।

इस कार्यक्रम में उड़ीसा के राज्य मुख्य आयुक्त व उपाध्यक्ष भारत स्काउट व गाइड श्री के.पी मिश्रा, नेशनल कमिश्नर अमरजीत शर्मा, असिस्टेंट इंटरनेशनल कमिश्नर मधुसूदन शर्मा व निदेशक, भारत स्काउट व गाइड श्री राजकुमार कौशिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी अवॉर्डीज का तिलक और पुष्प माला पहनाकर भारतीय संस्कृति के अनुसार स्वागत किया गया व मैसेंजर ऑफ पीस स्कार्फ, एमओपी रिंग बेज, प्रमाण पत्र व स्टार अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर निदेशक श्री राजकुमार कौशिक ने बताया कि सभी के अनवरत कार्यों ने आज भारत स्काउट गाइड को विश्व में एक नई पहचान दी है। आज के समय में आप संपूर्ण विश्व के लिए आदर्श है।

स्टार अवार्ड लगातार कठिन परिश्रम और बिना किसी स्वार्थ के सेवा भाव से देश की शांति बनाए रखने, बेहतर भविष्य निर्माण व समाज सेवा क्षेत्र में दिया जाता है। अवार्ड मिलने पर जिलों के पदाधिकारियों ने पुरस्कृत युवा युवतियों को शुभकामनाएं दी।

प्रदेश संगठन की ओर से सभी पुरस्कृत को हार्दिक बधाई।

जल है तो जीवन है

प्रस्तोता - निर्मला देवी

प्राकृतिक संसाधनों में जल का विशेष महत्व है। पृथ्वी की सतह पर लगभग तीन चौथाई भाग जल से भरा हुआ है, जिसमें 97 प्रतिशत भाग महासागरों एवं समुद्रों में खारा पानी के रूप में मौजूद है, जो मनुष्य के उपयोग का नहीं है तथा 2 प्रतिशत पानी लगभग ध्रुवों पर जमी बर्फ एवं ग्लेशियरों के रूप में मौजूद है तथा महज 1 प्रतिशत पानी मनुष्य के लिए पीने के रूप में मौजूद है जो नदियों, तालाबों एवं भूमिगत भण्डार के रूप में मौजूद है जिसका भी रात–दिन अनावश्यक रूप से दोहन किया जा रहा है एवं प्रदूषण के द्वारा बर्बाद किया जा रहा है जो हमारे आने वाले कल के लिए संकट पैदा करेगा। मनुष्य के लिए सबसे ज्यादा जरूरत पानी की होती है, उसका 90 प्रतिशत शरीर पानी से बना हुआ है। इसीलिए हम भोजन किए बिना कुछ दिन निकाल सकते हैं लेकिन हवा एवं पानी के बिना कुछ घण्टे निकाल पाना भी मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमें पानी को बचाकर एवं सहेज कर रखना होगा अन्यथा संकट से महासंकट के दौर में गुजरना पड़ेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी नहीं बच पाएगा।

पानी बचाने के लिए हम कुछ उपाय कर सकते हैं जिससे महासंकट का दिन ना देखना पड़े–

1. **अधिक से अधिक पेड़ लगाना :** पानी को बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे जिससे अच्छी वर्षा होगी। अच्छी वर्षा से भूमि का जल स्तर बढ़ेगा। साथ ही पृथ्वी पर कार्बन डाइ ऑक्साइड गैस को पौधे अवशोषित कर लेंगे जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या नहीं होगी। पर्यावरण प्रदूषण के कारण ही ओजोन परत में हो रहे छिद्र ने दुनिया के वैज्ञानिकों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया। ओजोन परत में छिद्र होने का मतलब है कि सूर्य की पराबैंगनी किरणें सीधे पृथ्वी पर आयेंगी जो जीव जन्तु के लिए घातक होगी। इसके लिए वैज्ञानिकों ने शोध कर पता लगाया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं साफ–सुथरा रख कर ही ओजोन में हुए छिद्र को कम किया जा सकता है। जिसके लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाये जाएं जिससे पर्यावरण को शुद्ध एवं प्रदूषण रहित रखा जा सकेगा। इस कार्य बाबत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के तहत पूरे भारत में इको क्लब योजना चलाई गई है, जिसमें प्रदेश स्काउट गाइड संगठन की भी महत्ती भूमिका है। वर्ष 2011 में 11 जुलाई को प्रातः 11.00 बजे पूरे राजस्थान में 11 लाख पौधे लगाये थे जो पर्यावरण को शुद्ध बनाये रखने में अहम् भूमिका अदा कर रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कुछ दिन पूर्व समाचार पत्रों द्वारा पता चला कि ग्रीन कोर एवं इको क्लब योजनाओं द्वारा ओजन परत के छिद्र पर काफी नियन्त्रण पा लिया गया है। इस प्रकार पर्यावरण को शुद्ध बनाये रख कर हम जल का संचयन एवं रखरखाव कर सकते हैं।
2. **भू–जल का दोहन सीमित हो :** दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा ट्यूबवेल भारत में ही हैं जो लगातार जमीन का सीना चीरकर पानी खींच रहे हैं, जो भारत के लिए दयनीय स्थिति होगी क्योंकि हमारी 70 फीसदी मांग भू जल स्रोतों से ही पूरी होती है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा कृषि एवं उद्योगों पर खर्च होता है क्योंकि भारत में कृषि की अधिकता है तथा उद्योग धन्धे भी कृषि पर आधारित हैं जो पानी के बिना सम्भव नहीं है। अतः इन सबके लिए भू जल का दोहन सीमित करना होगा तब ही हम जल को बचा पाएँगे तथा आने वाले कल को सहेज पाएंगे।
3. **आधुनिक रहन-सहन का प्रभाव** भी जल के लिए संकट पैदा कर रहा है जिसको हमें सीमित करना चाहिए। 40–45 वर्ष का व्यक्ति पुराने 30 वर्ष पहले के समय को देखते हुए आदतन ही एक बाल्टी से स्नान कर लेता है, जिसमें 10 लीटर पानी आता है। लेकिन आधुनिक लाइफ स्टाइल के कारण एक 10–15 वर्ष का बालक/किशोर 80 लीटर पानी स्नान करने में लगा देता है क्योंकि आधुनिक स्नान घरों में फव्वारे एवं बाथ–टब का प्रयोग हो रहा है। एक बाथ–टब में 80 लीटर पानी लगभग खर्च हो जाता है जो लगभग 70 लीटर पानी को अनावश्यक खर्च कर देता है। इसी प्रकार सब जगह पाइप द्वारा पानी सप्लाई होती है जो जगह–जगह से रिसते एवं टपकते रहते हैं जिससे भी काफी पानी व्यर्थ बह जाता है। अतः इन सबमें हमें सीमित एवं सावधानी पूर्वक पानी खर्च करना होगा तभी हम सब मिलकर पानी का रख–रखाव कर सकते हैं।

4. **जल को प्रदूषित होने से बचाना :** भारत में उद्योग ईकाइयाँ भारी मात्रा में जल को प्रदूषित कर रही है। उद्योगों के अधिकतर अपशिष्ट को देश की नदियों में बहा दिया जाता है, जिससे नदियों का पानी जो पीने योग्य है दूषित होता जा रहा है अपने देश की मुख्य बड़ी नदियाँ यमुना एवं गंगा है जो आज प्रदूषण से त्रस्त है, जिनको प्रदूषण रहित रखने का शुभारम्भ देश के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर दिया है, प्रभाव अवश्य होगा। इस प्रकार हम सभी यही ठान लें कि अपशिष्ट पदार्थों एवं मरे जानवरों, कचरा आदि को नदियों एवं तालाबों में न डालें तो काफी हद तक शुद्ध पानी का रख–रखाव कर सकते हैं।

5. **व्यर्थ बहते पानी को पेड़-पौधों में सदुपयोग करना :** विद्यालय एवं घर में व्यर्थ नाली द्वारा बहते पानी को पेड़–पौधों में देना चाहिए। जिससे व्यर्थ बहते पानी का सदुपयोग हो सके तथा पेड़ों में अलग लगने वाला पानी अन्य कार्य में उपयोग हो सकता है। इस प्रकार एक मद का पानी बचाकर हम जल की बचत एवं रख–रखाव कर सकते हैं।

6. **वर्षा के पानी का संग्रहण :** वर्षा के पानी का संग्रहण करने के लिए छत के पानी को किसी भूमिगत वाटर टैंक में पाइप द्वारा डालना या बरसात के पानी को खाई या गड्डे के जरिये सीधे जमीन में उतारना। जमीन में सीधा जाने वाला पानी हमें वापस बोरवेल के माध्यम से मिल जाएगा एवं वाटर टैंक में एकत्रित किया पानी हम किसी भी गतिविधि में उपयोग ले सकते हैं जो जल बचाने की अच्छी विधि है और कारगर भी है।

इस प्रकार हम पानी को बहुत अधिक मात्रा में बचा सकते हैं और आने वाले महासंकट को समय रहते टाल सकते हैं। जल की महत्ता सदियों से ज्ञातव्य रही है, इसीलिए रहीम दास जी का दोहा याद आता है –

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गए ना उबरे, मोती, मानुष, चून।।

पृथ्वी दिवस सप्ताह आयोजन

"पृथ्वी और पर्यावरण से प्रेम कीजिए, वो आपके लिए सम्पन्नता के द्वार खोल देगी।" ऐसे विचार आर.एन.टी. कॉलेज कपासन के प्रबन्ध निदेशक डॉ. वसीम खान ने रोवर क्रू रेंजर टीम एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस सप्ताह में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। डॉ. खान ने जीव एवं वन की सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए सभी विद्यार्थियों को पर्यावरणीय चक्र से अवगत कराया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अकादमिक निदेशक शिवनारायण शर्मा ने पृथ्वी के बिगड़ते असंतुलन को ग्लोब के द्वारा समझाते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण मानव की असामाजिक उपभोगवृत्ति है, जिससे प्रकृति का अविवेकपूर्ण उपभोग हुआ है। परिणामतः प्रकृति विनाश के नये नये आयाम ढूंढने लगी है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अफसार अली ने पर्यावरण में बढ़ते हुए प्रदूषण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक मनुष्य प्राकृतिक विनाशकारी वस्तु प्लास्टिक के प्रयोग को बन्द नहीं करेगा तब तक प्रदूषण का घटना असंभव है। रोवर लीडर एवं उपाचार्य डॉ. ओ.पी. सुखवाल ने ग्लोबल वार्मिंग के कारण एवं निवारण पर विचार व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों को जीवन में एक वृक्ष लगाने की शपथ दिलाई तथा पर्यावरण में बढ़ते कार्बन तथा नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही वैशाख एवं ज्येष्ठ माह में पक्षियों के लिए पानी एवं दाने की व्यवस्था, पशुओं के लिए पानी एवं छाया तथा राहगीरों के लिए ठंडे जल की व्यवस्था कर सेवाकार्य करने की शपथ दिलाई।

रोवर लीडर एवं उपाचार्य डॉ. ओ.पी. सुखवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष 18 से 24 अप्रेल तक पृथ्वी दिवस सप्ताह का आयोजन किया जाता है, इसके तहत 18 अप्रेल को रोवर व रेंजर द्वारा पृथ्वी एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें रोवर जसवंत बहादुर एवं रेंजर रिया सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 19 अप्रेल को प्रकृति से जुड़ो प्रतियोगिता का आयोजन करते हुए दीक्षा बचपन स्कूल के बच्चों को रोवर व रेंजर ने मिट्टी के खिलौने बनाने का अभ्यास कराया। 20 अप्रेल को ग्लोबल वार्मिंग विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में एनएसएस प्रभारी एच.एल. अहीर, भूगोल विभागाध्यक्ष आर.आर. नागर ने सहयोग प्रदान किया।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड एवं वन विभाग, भीलवाड़ा द्वारा 22 अप्रेल पृथ्वी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत स्काउट गाइड स्थानीय संघ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर, कुडोज किड्स स्कूल गायत्री नगर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र मार्ग, माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय के स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर व विद्यालय स्टाफ के सदस्यों को प्रकृति भ्रमण हेतु इको पार्क हमीरगढ़ के लिए रेंजर भंवरलाल बारेठ, वनपाल छोटू लाल कोली, सचिव स्काउट गाइड स्थानीय संघ

भीलवाड़ा प्रेम शंकर जोशी, मधुबाला यादव संचालिका कुडोज किड्स स्कूल ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इको पार्क हमीरगढ़ में वॉच टावर, सनसेट पॉइंट, कैंपिंग साइट, गुमान ओदी, मनसा महादेव का भ्रमण करवाते हुए हरिशंकर विश्नोई सहायक वनपाल, भगवान लाल अहीर वनरक्षक व मथुरा लाल जाट पशु रक्षक ने विभिन्न पेड़–पौधों तथा जीव जंतुओं के बारे में स्काउट गाइड को विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पृथ्वी को कैसे बचाएं विषय पर निबंध व पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी स्काउट गाइड ने भाग लिया। वन विभाग द्वारा सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 5 जून पर्यावरण दिवस पर प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इससे पूर्व स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए रेंजर भंवरलाल बारेठ व सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी ने पृथ्वी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए 'पृथ्वी को हम कैसे बचा सकते हैं' विषय पर विचार व्यक्त किए तथा कहा कि पृथ्वी की रक्षा हेतु हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए, जिससे मृदा क्षरण रुकेगा तथा ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से पृथ्वी को बचाया जा सकेगा। सभी स्काउट गाइड ने अपने जीवन में स्काउट गाइड नियम का पालन करते हुए पशु पक्षियों से मित्रता एवं प्रकृति से प्रेम करने का संकल्प लिया।

◈ भरथला के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय के स्काउट गाइड पक्षी मित्र बने और घर घर में परिंडे लगवाए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर की प्रेरणा से स्काउट टीचर उमाशंकर गुर्जर और स्काउट्स ने भीषण गर्मी के बीच पशु पक्षी की देखभाल के लिए पक्षी मित्र परिंडा अभियान का आगाज किया। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने पक्षी मित्र अभियान के तहत परिंडे एवं चुग्गा पात्र बनवाकर घर–घर लगवाए हैं। गिरिराज प्रसाद गुर्जर प्रधानाचार्य ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर सभी स्काउट गाइड एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी अधिक से अधिक पौधारोपण कर, पॉलीथिन का बहिष्कार और जीव जंतुओं का संरक्षण करके ही पृथ्वी को बचा सकते हैं। जीव जंतुओ के सरंक्षण से ही सृष्टि चक्र संतुलित रहता है। इस भीषण गर्मी में हम सभी निरीह, मूक पशु पक्षियों के लिए परिंडा लगाएं व चुग्गा पात्र में चुग्गा डालें और इस पुनीत कार्य हेतु हम सब अभिभावकों और ग्रामीणों को भी प्रेरित करें। सभी विद्यार्थियों ने अपने–अपने घरों के बाहर परिंडे लगाने और छत की मुंडेर पर दाना पानी का पात्र रखने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विद्यालय के स्काउट गाइड एवं ग्रामवासी मौजूद थे।

◈ भीलवाड़ा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाष नगर में संचालित स्काउट इको क्लब, गाइड कंपनी, बुलबुल फ्लॉक के संयुक्त तत्वावधान में 6 मई को प्रधानाचार्या उर्मिला जोशी की अध्यक्षता एवं उप प्राचार्य सोनू खटीक के आतिथ्य में सड़क सुरक्षा विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गाइड कैप्टिन संगीता व्यास के अनुसार विचार गोष्ठी के प्रमुख वक्ता स्काउट गाइड स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के सचिव प्रेमशंकर जोशी ने सड़क सुरक्षा चक्र, सड़क के नियम, ट्रैफिक लाइट, सड़क संकेत, यातायात नियंत्रण सिग्नल, पैदल

चलने, सड़क पार करने, चौराहे के नियम, मोटर यान अधिनियम 1988 के प्रावधानों को समझाते हुए विस्तृत जानकारी प्रदान की। व्याख्याता विकास जोशी ने सभी को हमेशा सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करने व अपने संपर्क में आने वालें सभी व्यक्तियों को इसके लिए प्रेरित करने का शपथ पूर्वक संकल्प दिलाया। संगोष्ठी के तुरंत बाद सड़क सुरक्षा जन जागरूकता रैली को प्रधानाचार्या उर्मिला जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में फ्लॉक लीडर मंजू शर्मा के नेतृत्व में स्काउट गाइड सड़क सुरक्षा जागरूकता के नारे लिखी कैप पहनकर, बैनर के साथ 'दुर्घटना से देर भली', 'आना हो या जाना हो, चलो सड़क की बाई पटरी', 'आओ हम सभी, सड़क नियमों का पालन करें' आदि नारे लगाते हुए सुभाष नगर क्षेत्र में जनसाधारण को सड़क सुरक्षा हेतु जागरूक किया। इस अवसर पर व्याख्याता शारीरिक शिक्षा सुनील कुमार खटीक, शशि कला शर्मा, नीलम परिहार, ममता शर्मा, कुसुम तोदी, वरिष्ठ अध्यापिका सुषमा पालीवाल, मीनाक्षी शर्मा, विनय त्रिपाठी, संगीता व्यास, अनुराधा टेलर, मंजू शर्मा आदि उपस्थित थे।

बीकानेर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, हनुमानगढ़ द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर दाना पानी डाला गया एव राजकीय नेहरु मेमोरियल महाविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स द्वारा वृक्षारोपण एवं विश्व पृथ्वी दिवस विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सहायक निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हनुमानगढ़

विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि दिनों दिन गर्मी बढ़ती जा रही है जिसमें पक्षियों के लिए सभी को परिंडे लगाने चाहिए एवं उनमें प्रतिदिन दाना पानी डालना चाहिए। इस अवसर पर सीओ स्काउट भारत भूषण, डॉ. जसवंत सिंह, एमओपी कॉर्डिनेटर मोहित कुमार इंसा, जगमीत सिंह, अर्शदीप सिंह, निर्मल सिंह, रोहित कुमार, रेंजर चंदा, आंचल, रिंकू एवं सतवीर कौर आदि मौजूद रहे।

जयपुर मण्डल

- जयपुर के बनीपार्क स्थित चिल्ड्रंस एकेडमी के कब बुलबुल ने अर्थ डे के अवसर पर मंडल मुख्यालय जयपुर पर वृक्षारोपण किया तथा परिण्डा एवं चुग्गा पात्र बांधकर पौधों के जड़ों की सफाई का कार्य किया तथा पौधों में पानी दिया। इस अवसर पर एएसओसी (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा ने सभी कब बुलबुल

व उनके साथ आई गाइडर व अन्य टीचर्स और बच्चों को बहुत–बहुत बधाई व शाबाशी देते हुए उनके द्वारा किए गए कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा व सराहना की तथा बच्चों को अर्थ डे पर वार्ता देकर इसके महत्व को बताया। इस दौरान कब बुलबुल के साथ एक छोटी सी क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों से अर्थ डे व पर्यावरण से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सभी बच्चों ने पूरे जोश के साथ प्रश्नों का जवाब दिया। सी.ओ. गाइड ऋतु शर्मा ने बच्चों का मार्गदर्शन व सहयोग किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर एवं नेशनल ग्रीन कोर के तत्वावधान में सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा व सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी के निर्देशन में जिला मुख्यालय पर पृथ्वी दिवस का आयोजन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया। कार्यक्रम के तहत स्काउट गाइड मुख्यालय पर पर्यावरण प्रदर्शनी का आयोजन, श्रमदान, पक्षियों के लिए परिंडे लगाना, पुराने परिण्डों की सफाई करना, पशुओं की खेलियों की सफाई, पक्षियों के परिंडे के लिए साइकिल के टायर व तार के छिके तैयार करना, परिंडो पर कलर करना, पृथ्वी बचाने का संकल्प एवं प्रतिज्ञा, श्रमदान, पौधों की निराई गुड़ाई सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में रोवर लीडर मोहनलाल सुखाड़िया, सहायक सचिव देवी

लाल जाट के साथ स्काउट व रेंजर्स उपस्थित रहे।

स्थानीय संघ फतेहपुर द्वारा मोतीराम महिचा की अध्यक्षता एवं उपप्रधान गुलाब अलबेला के मुख्य आतिथ्य में पृथ्वी दिवस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता कार्य, पौधारोपण, जन चेतना रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस आयोजन में राजकीय नेवटिया उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहपुर एवं शेखावाटी ओपन स्काउट ट्रुप फतेहपुर के स्काउट्स का शानदार सहयोग रहा।

स्थानीय संघ पाटन के नन्हें–नन्हें कब बालकों द्वारा द्वारा पृथ्वी दिवस पर श्रीमती जमुना देवी पांडे राजकीय बालिका

उच्च माध्यमिक विद्यालय पाटन ने अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। विद्यालय से शहीद कल्याण चौक तक चेतना रैली निकाली तथा वहां स्थित मंदिर की बगीची में सभी बालकों द्वारा श्रमदान किया गया। स्थानीय ग्राम पंचायत के सरपंच श्री मनोज चौधरी की देखरेख में परिंडे लगाए व उनमें पानी भरा गया।

राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में गाइड प्रभारी श्रीमती इंदु शर्मा के नेतृत्व में पोस्टर प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता एवं नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के नेशनल ग्रीन कोर एवं इको क्लब आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा के स्काउट मास्टर व इको क्लब प्रभारी अलिताब धोबी ने बताया कि इस अवसर पर पक्षियों के लिए परिंडा व घोंसले लगाए गए, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, वृक्षारोपण, वृक्षों की संभाल, साफ सफाई, वृक्षों में पानी डालना आदि कार्यकमों का आयोजन किया गया।

◈ जिला सीकर के 264 अध्यापिकाओं व अध्यापकों ने स्काउट गाइड का प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सीकर एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों से जारी आदेशानुसार राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला सीकर के विभिन्न स्थानीय संघ दांता, धोद, फतेहपुर, रामगढ़ शेखावाटी, लक्ष्मणगढ़, पलसाना, सीकर, शिवसिंहपुरा,

श्रीमाधोपुर, रींगस, नीम का थाना, पाटन, अजीतगढ़, खंडेला, शिशु रानोली, थोई के तत्वावधान में जिला सीकर के नए अध्यापिका एवं अध्यापकों को स्काउट गाइड का प्रशिक्षण प्रदान करने की दृष्टि से बिगनर्स कोर्स के आयोजन किये गए, जिसमें 11 कब मास्टर हेतु, 143 स्काउट मास्टर, चार रोवर लीडर हेतु, दो फ्लॉक लीडर, 102 गाइड कैप्टन, 2 रेंजर लीडर हेतु कुल 264 नए अध्यापक, अध्यापिका, प्राध्यापक ने भाग लिया। ये संभागी आगामी 5 मई से होने वाले बेसिक कोर्स में विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

इन्हें स्काउट गाइड आंदोलन क्या है, आंदोलन का सिद्धांत, आंदोलन का इतिहास, स्काउट गाइड के प्रभाग, योग्यता, प्रशिक्षण के बढ़ते चरण, पोशाक, प्रार्थना, झंडा गीत सहित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जोधपुर मण्डल

◈ जोधपुर स्थित मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के अधीन संचालित पाल लिंक रोड स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद मुस्लिम सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल में विद्यालय के स्काउटर महेन्द्र सैन के मार्गदर्शन में स्काउट छात्रों की ओर से इस भीषण गर्मी में मूक पक्षियों के लिए शीतल जल के परिण्डे, चुग्गा पात्र लगाने और संरक्षण करने का अभियान चलाया गया।

साथ ही मन्दिर, मस्जिद, गुरूद्वारे, गिरिजाघर, सार्वजनिक स्थानों, अपने घरों तथा पक्षियों के विश्राम करने के स्थानों पर स्काउट दल के माध्यम से आमजन को जागरूक करने का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

इस अवसर पर वाइस प्रिंसीपल अशोक कुमार, अब्दुल वहीद बैलिम, शिक्षक नागेश पाठक, पीटीआई राजू सिंह ने भी स्काउट छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए इस सेवा कार्य की सराहना की।

कोटा मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा के तत्वावधान में पृथ्वी दिवस अतिरिक्त जिला कलेक्टर बी.एम. बैरवा के मुख्य आथित्य, सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर की अध्यक्षता एवं पूर्व नगर निगम आयुक्त मूलचंद शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में धूमधाम से मनाया गया। पृथ्वी दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम परिंडा अभियान के अंतर्गत तलवंडी के घर घर में जाकर परिंडे बांधकर आम नागरिकों को प्रतिदिन पानी भरने के लिए स्काउट द्वारा आह्वान किया गया। उसके उपरांत ग्राम केवल नगर अलनिया कसार आदि छोटे–छोटे गांव में स्काउट द्वारा परिंडे बांधे गए। तत्पश्चात तलवंडी चौराहे पर आकर मानव श्रृंखला बनाकर पृथ्वी दिवस का महत्व आमजन को समझाया। इस अवसर पर जिला संगठन

आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा के नेतृत्व में रैली का आयोजन कर पॉलीथिन उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत तलवंडी कॉलोनी में जगह–जगह बिखरी पॉलीथिन को उठा कर उनको नष्ट किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने स्काउट को परिंडे देकर गांव गांव ढाणी के लिए रवाना करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की। सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कोटा जिले के स्काउट द्वारा चलाए जा रहे वर्ष भर पॉलीथिन उन्मूलन, पौधारोपण, पौधों की संभाल आदि कार्यों के लिए कोटा जिले की स्काउट टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। पृथ्वी दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत स्काउट प्रशिक्षण केंद्र आलनियां पर लगे पेड़ पौधों की सार संभाल करते हुए उनको सहेजने का कार्य भी किया गया। बंसल स्कूल के स्काउट का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की सफलता में रूप चंद शर्मा, मोर मुकुट सिंह हाड़ा, सर्कल ऑर्गेनाइजर (गाइड) कृतिका पाराशर, स्काउट मास्टर शिव शर्मा, रोवर स्काउट कपिल प्रजापति का विशेष सहयोग रहा।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कोटा के तत्वावधान में कालेज प्राचार्य संगोष्ठी राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत के नेतृत्व में एवं रघुराज परिहार संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा की अध्यक्षता में कालेज परिसर में संपन्न हुई। बैठक में पूरण सिंह शेखावत ने कॉलेज में होने वाली रोवर रेंजर की गतिविधियां, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां, रोवर रेंजर की योग्यता वृद्धि एवं ग्रुप संचालन की विस्तार से

जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर राजकीय कला कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य संजय भार्गव ने स्काउट गाइड संगठन की विशेषताओं को बताते हुए रोवर रेंजर टीम का संचालन करने का आह्वान किया। राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य अरुण शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कॉलेज में संचालित रोवर रेंजर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने कोटा जिले में रोवर रेंजर की समस्त गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी कॉलेज प्राचार्य का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी का संचालन जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा द्वारा किया गया। संगोष्ठी के उपरांत उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोवर रेंजर का सम्मान किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा के तत्वावधान में पक्षी मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत के नेतृत्व में पक्षियों के लिए जगह–जगह परिंडे बांधकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री शेखावत ने सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार

माथुर एवं जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा को परिंडे देकर गांव गांव ढाणी ढाणी में स्काउट रोवर द्वारा परिंडे बंधवाने का आह्वान किया। शुभारंभ के अवसर पर बंसल स्कूल के प्राचार्य ज्ञान प्रकाश गौतम ने भी परिंडे बांधकर स्काउट आंदोलन की सराहना करते हुए हर वर्ष चलाए जा रहे परिण्डा अभियान की प्रशंसा की। बंसल स्कूल के स्काउट द्वारा शिल्पी सोलोमन एवं शिव शर्मा के नेतृत्व में 22 तारीख तक अनवरत रूप से गांव गांव ढाणी ढाणी में परिण्डे बांधने का संकल्प लिया गया। सभी का आभार जिला संगठन आयुक्त (गाइड) कृतिका पाराशर ने किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कोटा के तत्वावधान में आयोजित स्काउट मास्टर एवं कब मास्टर बेसिक कोर्स के समापन के अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने सभी को अपने–अपने विद्यालयों के बालक बालिकाओं में संस्कार डालते हुए उन्हें सू नागरिक बनाने का आह्वान किया। समापन से पूर्व जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा के सान्निध्य में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभी धर्मों की प्रार्थना का वाचन किया

गया। समापन के अवसर पर जंबूरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली गाइड राधिका मेवाड़ा को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को स्काउटिंग के महत्वपूर्ण सिद्धांत बताते हुए अपने जीवन में उतारने की बात कही। इस अवसर पर कब मास्टर शिविर संचालक जमालुद्दीन ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रवीण शर्मा एवं रूपचंद शर्मा, मोर मुकुट सिंह हाड़ा, नरेश चित्तौड़ा, गिरिराज राठौड़ ने सहयोग प्रदान कर शिविर को सफल बनाया।

- बूंदी जिले के खटकड़ पीईईओ के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जावरा में पक्षियों हेतु मिट्टी के परिंडे बांधे गए। संस्था प्रधान एवं ट्रेनिंग काउंसलर जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब एवं राउप्रावि जावरा स्काउट ट्रूप के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय परिसर में परिंडे बांधे गए। इको क्लब के छात्र विशाल, देवराज, लेखराज, विनोद, कोमल, मोनिका, शिवानी, तिलका तथा स्काउट विमलेश

मीणा आदि ने इस पुनीत कार्य को निरंतर करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर इको क्लब प्रभारी राकेश कुमार, सह प्रभारी महेंद्र स्वामी, सदस्य गजेंद्र राठौर, परशुराम मेघवाल, सुनीता आदि ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया। जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि परिंडा कार्यक्रम अन्य विद्यालयों में तथा छात्रों द्वारा प्रत्येक घर में परिंडे बांधे जाएंगे, जिससे पक्षियों के लिए शीतल जल की व्यवस्था हो सके।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में स्थानीय संघ ऋषभदेव के विवेकानंद केंद्र विद्यालय में 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया गया। स्काउट गाइड को गाइडर इंदुबाला रावल द्वारा बताया गया कि 22 अप्रैल अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। पृथ्वी के पर्यावरण की सुरक्षा और संगठन के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है। इस अवसर पर स्काउट गाइड द्वारा विद्यालय में पक्षियों के लिए परिंडे लगा कर उनमें पानी व दाने डाले तथा घर व आसपास के क्षेत्रों में नए पौधे लगाए व साफ–सफाई भी की गई। प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपने समूह के सदस्यों के साथ साझा किए गए अनुभवों को बताया, जिससे अन्य सदस्यों में भी अनुशासन, स्वावलंबन, सेवाभाव, सहयोग, जीवन के नैतिक मूल्यों और प्रकृति संरक्षण की जागरूकता फैले। विद्यालय में इस अवसर पर स्काउट गाइड ने नारा लेखन तथा पृथ्वी दिवस पर पोस्टर भी बनाए। छात्रों

का उत्साहवर्धन करने हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री डी.के. गुप्ता द्वारा यह सब कार्य करने का प्रोत्साहन मिला। स्काउट गाइड को विद्यालय के स्काउटर ओमप्रकाश सुथार व गाइडर इंदुबाला रावल का पूर्ण सहयोग मिला। छात्रों को बताया गया कि इन सभी कार्यों को वे हमेशा करते रहें जिससे पृथ्वी हरी–भरी और संतुलित रहे। जीवों की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने व भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगाओ अभियान की शुरुआत की गई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस विभिन्न कार्यक्रम के साथ जिले में मनाया गया। ट्रिनिटी एकेडमी दलोट के संस्था प्रधान पी.राजीव ने बताया है कि विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर सी.ओ गाइड रेखा शर्मा एवं सी.ओ.स्काउट भाविक सुथार के मार्गदर्शन में ट्रिनिटी एकेडमी दलोट के स्काउट गाइड प्रभारी मुकेश डागी के नेतृत्व में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड ने जागरूकता अभियान के तहत पोस्टर, बैनर तथा स्लोगन के साथ जागरूकता रैली निकाली। रैली स्कूल प्रांगण से दलोट के विभिन्न मार्गों से होती हुई विद्यालय प्रांगण में पहुँची, जहाँ स्काउट गाइड द्वारा श्रमदान, पक्षियों के लिए परिण्डे बांधे एवं वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर विद्यालय के संचालक राजेन्द्र कुमावत ने पूरी टीम की प्रशंसा की और सभी से पृथ्वी के लिए उचित योगदान व पक्षियों के लिए परिण्डे बांधने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं के साथ–साथ अध्यापक विनीत कुमार, राहुल डांगी, हेमन्त नाथ, मनोज चौधरी, नरेश कुमार, श्रेता, अनीता बैरागी, रोली सिंह आदि उपस्थित थे।

- उदयपुर के आर के पुरम सैक्टर 09 स्थित द स्कालर एरिना स्कूल में संचालित स्काउट गाइड प्रवृति का अवलोकन सी. ओ.स्काउट द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक निदेशक एवं स्थानीय संघ उदयपुर के कार्यकारी चेयरमैन डॉ. लोकेश जैन के कुशल नेतृत्व में विद्यालय में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियों का अवलोकन करने का अवसर मिला। विद्यालय के स्काउटर, गाइडर, शिक्षकगण ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। स्काउट्स गाइड्स

ने बढ़–चढ़कर रुचि दिखाई। विद्यालय का रिकार्ड अवलोकन कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा स्काउट्स गाइड्स को उत्साह वर्धक खेल और गतिविधियां करवाई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र नीमच रोड़, प्रतापगढ़ पर 3 से 9 मई 2023 तक कब/स्काउट मास्टर बेसिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसके समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए विधायक प्रतापगढ़ रामलाल मीणा ने कहा कि भारत स्काउट व गाइड संगठन को हर सम्भव सहयोग दिया जायेगा। उन्होंने स्काउटर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिले में भारत स्काउट गाइड संगठन की गतिविधियां सक्रिय रूप संचालित हो रही है। स्काउट गाइड पीड़ितों की सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कई बार स्काउट गाइड को अकाल, बाढ़, तूफान के समय हुई त्रासदी में अग्रिम पंक्ति में पीड़ितों की सेवा करते हुए देखा है। उन्होंने सेवा को अपना जीवन भर संकल्प बनाये रखने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विधायक महोदय ने तुलसी का पौधा लगाया गया व प्रशिक्षण केन्द्र पर एक बड़ा हॉल व हट बनाने की घोषणा की। देर शाम मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ प्रहलाद चन्द पारीख के मुख्य आतिथ्य एवं तहसीलदार प्रतापगढ़ सतीश पाटीदार की अध्यक्षता में शिविर ज्वाल कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्काउटर्स ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को आनन्दित किया।

पर्यावरण मित्र भारतीय जीवन दृष्टि

◇ विजय सिंह माली

> भारतीय जीवन दृष्टि प्रकृति के प्रति सह अस्तित्व, सामंजस्य और सौहार्द्र के साथ मातृत्व युक्त सम्मान दृष्टि है हमने प्रकृति को मां के रूप में या देव के रूप में देखा है। हमारे यहां धरतीमाता है, तुलसीमाता है, गंगामाता है, नागदेवता है सुर्य नमस्कार की परम्परा है, पेड़-पौधों को पत्र-पुष्प चढाने, धूपदीप धुखाने की परम्परा है, हम प्रकृति के शोषण में नहीं दोहन में विश्वास रखते हैं। हमारी संस्कृति में प्रकृति को परमेश्वर की शक्ति कहा गया है सुर्य, चन्द्र, वरूण, इन्द्र, अग्नि सभी देवरूप में पूजनीय है।

पर्यावरण' यानि जिससे हम आवृत्त है, जो हमारे मनुष्य जीवन के चारों ओर विधमान है अर्थात भूमि, जल, वायु, वनस्पति, जीवजन्तु के रूप में हमारे सामने उपस्थित प्राकृतिक जगत। पर्यावरण हमारे अस्तित्व के लिए भी आवश्यक है और हमारे विकास के लिए भी। आज हमारी प्रकृत्ति के सम्बन्ध में गलत दृष्टि– (प्रकृति पर विजय, प्रकृति के शोषण का भाव), विकास के सम्बन्ध में गलत अवधारणा, गलत उत्पादन तंत्र व गलत उत्पादन तकनीक, दोष पूर्ण जीवन शैली के कारण पर्यावरण में असंतुलन उत्पन्न हुआ, प्रदुषण बढ़ा है, भुमण्डलीय ताप में वृद्धि हो रही है, ओजोन परत में छेद हो रहा है, अम्लवर्षा हो रही है, वनसम्पदा का हास हो रहा है, सागरीय प्रदुषण बढ़ा है सचमुच–

प्रदूषित वायु, जल भी दूषित, प्रदुषण अपरम्पार।
खानपान सब ही प्रदूषित, दूषित हो रहा संसार !!

पर्यावरण असंतुलन व प्रदुषण से छुटकारा दिलाने में हमारी पर्यावरण मित्र भारतीय जीवन दृष्टि अहम् भुमिका निभा सकती है। आज समूचे विश्व को इस पर्यावरण मित्र भारतीय जीवन दृष्टि समझने व अपनाने की आवश्यकता है। भारतीय जीवन दूषित खंडित यांत्रिक विश्व दृष्टि न होकर सर्वकष एकात्म विश्व दृष्टि है। हमारा दर्शन 'ईशावास्यमिदम्' या सर्व खल्विदं ब्रहा' द्वारा जड़ चेतन में एक चेतन तत्व का दर्शन करता है अतः वह जीव जन्तु को मारने, पेड़–पौधों को काटने, नष्ट करने की कल्पना ही नहीं कर सकता। हमारी जीवन दृष्टि इस दुनियां को, पर्यावरण–प्रकृत्ति को अन्योन्याश्रित व अविभाज्य अंग की तरह जीवन्त चेतन इकाई मानती है।

भारतीय जीवन दृष्टि प्रकृत्ति चक्र, सृष्टि चक्र, यज्ञ चक्र को मानती है। हमने पहाड़ मरूस्थल, जीव जन्तु जानवर भुमि जल वायु को मिलाकर जैवीय परिवार माना है जिसमें परस्पर अन्तर्संबंध है। हम प्रकृति चक्र, सृष्टि चक्र, यज्ञ चक्र को बनाए रखने की बात करते है, तोड़ने की नहीं।

गीता में भगवान कृष्णा ने कहा–

एवं प्रवर्तितं चंक्र नानुवर्तयतीह यः,
अघायुरिन्द्रियारामों मोघं पार्थ स जीवति।

(हे पार्थ जो पुरूष इस लोक में परस्परक्षित इस सृष्टि चक्र के अनुकूल व्यवहार नहीं करता है, वह इन्द्रियों के द्वारा भोगों में रमण करने वाला पापायु पुरूष व्यर्थ ही जीवित रहता है) प्रकृति चक्र, सृष्टि चक्र ही वर्तमान की जैव विविधता की अवधारणा को प्रतिबिम्बित करता है। जैव विविधता की दृष्टि से भारतीय मनीषियों की अत्यन्त महत्वपूर्ण समझ रही है।

हमारे यहां कहा गया है –

यावत् भूमण्डलम् धत्रे समृगवन काननम्। तावत् तिष्ठतिमेदिन्याम् संततिः पुत्रपौत्रिकी।

(जब तक पृथ्वी पर वन्यजीवों से सम्पन्न वन है तब तक धरती मानव वंश का पोषण करती रहेगी)। चाणक्य ने भी अर्थशास्त्र में प्राकृतिक क्षेत्रों को अभयारण्यों के रूप में सुरक्षित रखने पर जोर दिया था।

भारतीय जीवन दृष्टि प्रकृति के प्रति सह अस्तित्व, सामंजस्य और सौहार्द्र के साथ मातृत्व युक्त सम्मान दृष्टि है हमने प्रकृति को मां के रूप में या देव के रूप में देखा है। हमारे यहां धरतीमाता है, तुलसीमाता है, गंगामाता है, नागदेवता है

सुर्य नमस्कार की परम्परा है, पेड़–पौधों को पत्र–पुष्प चढाने, धूपदीप धुखाने की परम्परा है, हम प्रकृति के शोषण में नहीं दोहन में विश्वास रखते हैं। हमारी संस्कृति में प्रकृति को परमेश्वर की शक्ति कहा गया है सुर्य, चन्द्र, वरूण, इन्द्र, अग्नि सभी देवरूप में पूजनीय है।

समूचा ऋग्वेद अग्नि की प्रार्थना से, यजुर्वेद वायु की तथा अथर्ववेद पृथ्वी की प्रार्थना से भरा पड़ा है। अथर्ववेद के केवल पृथ्वी सूक्त का विश्लेषण करेंगे तो हम पाएंगे इसके 63 मंत्र पर्यावरण मूल्यों के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक हैं। इसमें पृथ्वी को गंधवती, रसवती, अवनि, विष्णुरूपा, वैष्णवी, परिपोषक, पालक, वसुन्धरा, कामदुघा, पयस्वती, सुरभि, धेनु, विश्वम्भरा हिरण्यवक्षा नामों से सम्बोधित करते हुए इसके आधिभौतिक व आधिदैविक दोनों रूपों का स्तवन किया है।

हमारी संस्कृति में जलस्त्रोतों के पूजन की प्राचीन परम्परा रही है। महाभारत एवं अन्य सभी धर्मग्रन्थों में जलसंरक्षण, जलप्रबंधन व जलादान को पुण्य, यज्ञ व धर्म, अर्थ काम तीनों का फल देने वाला करणीय कार्य माना गया है। पदमपुराण में कहा गया है कि नदी के तटों को मूत्र, पुरीष, श्लेष्मा निष्टीवन आंख के कीच, मल से दूषित करने वाला पापी होता है। हमारे तीर्थ स्थल नदियों के किनारे बसे हैं। व्रत त्यौहारो पर नदी स्नान का महत्व माना गया है। भारत में कई जातियां सरोवर, बावड़ी, कुए बांध बनाने में सिद्ध हस्त रही है। हमारे देवी–देवताओं के वाहन पशु–पक्षी हैं। व्रत त्यौहारों पर वृक्षों की प्राणियों की पूजा होती है। हमारे दशावतार पशु विकास की कहानी कहते हैं। हमारे यहाँ अनपढ़ व्यक्ति भी हरा पेड़ नही काटता है, तुलसी का पत्ता या फूल चुनते समय भी हम प्रार्थना करते हैं।

हमारी संस्कृति अरण्य संस्कृति है। हमारे गांव गांव में ओरण बने हुए हैं यहाँ से कोई भी लकड़ी नहीं काटता। ऋषि–मुनियों के आश्रम वनों में थे। हमारे दर्शन–साहित्य–संस्कृति का निर्माण अरण्य में हुआ।

यजुर्वेद में कहा गया –

दृते दृंहमा मित्रस्यमा चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्।
मित्रस्यांह चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षे।
मित्रस्य चक्षुषा समीक्षामहे।

अर्थात सम्पूर्ण भूत प्राणी (सम्पूर्ण जीवजन्तु) मेरी ओर मित्रता के भाव से देखें। मैं भी प्रकृति को मित्र होकर देखू। हम दोनों आपस में एक दूसरे को मित्रवत् देखें। यजुर्वेद में ही ऊँ द्योः शान्तिरन्तरिक्षं शांतिः पृथ्वी शांतिरापः............ की प्रार्थना है।

रामचरितमानस में तुलसीदास जी ने कहा है–

जड़ चेतन जग जीव जल सकल राममय जानि।
बंदउ सकलपद कमल सदा जोरि जुग पाणि।

यानि जड़ चेतन जग जीव जल इन सबको मैं राममय जानकर उनके चरण कमलों की हमेशा वंदना करता हूँ। हमारे यहाँ वानप्रस्थ आश्रम की मान्यता है। हमारा विश्नोई सम्प्रदाय तो पर्यावरण रक्षक सम्प्रदाय है। विश्नोई सम्प्रदाय के प्रवर्तक जांभोजी ने "हरे–भरे वृक्ष को नहीं काटना" अपना प्रमुख सिद्धान्त बताया था। खेजड़ली की अमृता देवी के नेतृत्व में 363 ग्रामीणों ने वृक्षो की रक्षार्थ बलिदान किया और कहा–

सिर साथे रूख तो भी सस्तो जांण।

भारतीय जीवन दृष्टि 'सीमित, संयमित, सदाचारी जीवन शैली व उपभोग शैली की है। संयमो खलु जीवनम्संयम ही जीवन है, जैन दर्शन यही कहते है।

ईशोपनिषद कहता है –

'तेन त्यक्तेन भुंजीथ....

अर्थात् त्याग के साथ भोग और भोग के साथ त्याग। हम धर्म नियंत्रित अर्थ व काम को अपनाने वाले भारतीय है। गाँधीजी ने भी कहा था – ''सबकी आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रकृति के पास पर्याप्त है परन्तु लालसा के लिए नहीं।'' जैनशास्त्रों में सीमाकरण का सिद्धान्त है– तीर्थ यात्रा पर जाते हैं तो संयम अपनाते हुए अपनी एक चीज के उपभोग पर प्रतिबंध लगाते हैं... उसे छोड़ते हैं। जैन मत कहता है पानी को कंजुस आदमी के घी की तरह बरतो.... जीओ और जीने दो। सर्वभूतहिते, सर्वेभवन्तु सुखिनः आदि भारतीय सिद्धान्त पर्यावरण संतुलन के आधारभूत सिद्धान्त हो सकते हैं।

सचमुच पर्यावरण असंतुलन व प्रदुषण की समस्या का स्थायी समाधान भारतीय जीवन दृष्टि अपनाने में ही है। हमारी जीवन दृष्टि पर्यावरण मित्र जीवन दृष्टि है। हमारे पूर्वजों द्वारा विकसित जीवन शैली कतई प्रदूषण उत्पन्न नहीं करती है। आवश्यकता इस बात की है कि इस पर्यावरण मित्र भारतीय जीवन दृष्टि की महत्ता को जानकर हम इसे जीवन में अपनाएं। अंत में यही कहूँगा –

प्रकृतिःपंच भूतानि ग्रहा लोग स्वरास्तथा।
दिशः कालश्च सर्वेषां सदा कुर्वन्तु मंगलम्।।

यानी प्रकृति की तमाम चीजें हमारा मंगल (कल्याण) करे, हम पर कृपा बनाएं रखे, हमारे प्रति मित्रता का भाव रखे।

CELEBRATIONS DAYS : JUNE-JULY 2023

05 June	:	World Environment Day
14 June	:	World Blood-donation Day
21 June	:	International Yoga Day
26 June	:	International Day Against Durg Abuse
01 July	:	Forest Festival (Week)
11 July	:	World Population Day
22 July	:	National Flag Adoption Day
28 July	:	World Nature-Conservation Day
29 July	:	World Tiger Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरुष

क्रांतिकारी वीर शहीद
राम प्रसाद 'बिस्मिल'

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,
देखना है जोर कितना...बाजु-ए-कातिल में हैं।

राम प्रसाद 'बिस्मिल' भारत के महान् स्वतन्त्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषाविद् व साहित्यकार भी थे जिन्होंने भारत की आजादी के लिये अपने प्राणों की आहुति दे दी।

पंडित रामप्रसाद 'बिस्मिल' किसी परिचय के मोहताज नहीं। उनके लिखे 'सरफरोशी की तमन्ना' जैसे अमर गीत ने हर भारतीय के दिल में जगह बनाई और अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए वो चिंगारी छेड़ी जिसने ज्वाला का रूप लेकर ब्रिटिश शासन के भवन को लाक्षागृह में परिवर्तित कर दिया।

11 जून, 1897 (ज्येष्ठ शुक्ल 11 संवत् 1954) में पंडित मुरलीधर की धर्मपत्नी ने द्वितीय पुत्र को जन्म दिया। इस पुत्र का जन्म मैनपुरी में हुआ था।

पंडित रामप्रसाद की माताजी एक साहसी महिला थीं। महानतम विपत्ति में भी धैर्य न खोना उनके चरित्र का एक सबसे बड़ा गुण था। वह किसी भी विपत्ति में सदा अपने पुत्र का उत्साह बढ़ाती रहती थीं। पुत्र के दुःखी अथवा अधीर होने पर वह अपनी ममतामयी वाणी से सदा उन्हें सांत्वना देती थीं। रामप्रसाद के परिवार में कन्याओं को जन्म लेते ही मार देने की एक क्रूर परम्परा रही थी। इस परम्परा को उनकी माताजी ने ही तोड़ा था। उन्हीं के कारण इस परिवार में पहली बार कन्याओं का पालन–पोषण तथा विवाह हुआ था।

क्रांतिकारियों से संपर्क

देशप्रेम से ओतप्रोत रामप्रसाद बिस्मिल लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने के लिए जाने पर कुछ क्रांतिकारी विचारों वाले युवकों के सम्पर्क में आए। इन युवकों का मत था कि देश की तत्कालीन दुर्दशा के एकमात्र कारण अंग्रेज ही थे। रामप्रसाद भी इन विचारों से प्रभावित हुए। अतः देश की स्वतंत्रता के लिए उनके मन में कुछ विशेष काम करने का विचार आया। यहीं उन्हें यह भी ज्ञात हुआ कि क्रांतिकारियों की एक गुप्त समिति भी है। इस समिति के मुख्य उद्देश्य क्रांतिकारी मार्ग से देश की स्वतंत्रता प्राप्त करना था। वह सब ज्ञात होने पर बिस्मिल के मन में भी इस समिति का सदस्य बनने की तीव्र इच्छा हुई। वह समिति के कार्यों में सहयोग देने लगे। अपने एक मित्र के माध्यम से इसके सदस्य बन गए और थोड़े ही समय में वह समिति की कार्यकारिणी के सदस्य बना लिये गए। राम प्रसाद के मन में क्रान्तिकारियों की मदद के लिए धन की व्यवस्था करने का जुनून था।

काकोरी काण्ड

राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में 10 लोगों ने

देशप्रेम से ओतप्रोत रामप्रसाद बिस्मिल लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने के लिए जाने पर कुछ क्रांतिकारी विचारों वाले युवकों के सम्पर्क में आए। इन युवकों का मत था कि देश की तत्कालीन दुर्दशा के एकमात्र कारण अंग्रेज ही थे। रामप्रसाद भी इन विचारों से प्रभावित हुए। अतः देश की स्वतंत्रता के लिए उनके मन में कुछ विशेष काम करने का विचार आया।

सुनियोजित कार्रवाई के तहत यह कार्य करने की योजना बनाई। 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के काकोरी नामक स्थान पर देशभक्तों ने रेल विभाग की ले जाई जा रही संग्रहीत धनराशि को लूटा। उन्होंने ट्रेन के गार्ड को बंदूक की नोंक पर काबू कर लिया। गार्ड के डिब्बे में लोहे की तिजोरी को तोड़कर आक्रमणकारी दल चार हजार रुपये लेकर फरार हो गए। इस घटना में अशफाक उल्ला, चन्द्रशेखर आजाद, राजेन्द्र लाहिड़ी, सचीन्द्र सान्याल, मन्मथनाथ गुप्त, राम प्रसाद बिस्मिल आदि शामिल थे। काकोरी षड्यंत्र मुकदमे ने काफी लोगों का ध्यान खींचा। इसके कारण देश का राजनीतिक वातावरण आवेशित हो गया।

महाप्रयाण

सभी प्रकार से मृत्यु दंड को बदलने के लिए की गयी दया प्रार्थनाओं के अस्वीकृत हो जाने के बाद बिस्मिल अपने महाप्रयाण की तैयारी करने लगे। अपने जीवन के अंतिम दिनों में गोरखपुर जेल में उन्होंने अपनी आत्मकथा लिखी। फाँसी के तख्ते पर झूलने के तीन दिन पहले तक वह इसे लिखते रहे। इस विषय में उन्होंने स्वयं लिखा है–

''आज 16 दिसम्बर, 1927 ई. को निम्नलिखित पंक्तियों का उल्लेख कर रहा हूँ, जबकि 19 दिसम्बर, 1927 ई. सोमवार (पौष कृष्ण 11 संवत 1984) को साढ़े छः बजे प्रातःकाल इस शरीर को फाँसी पर लटका देने की तिथि निश्चित हो चुकी है। अतएव नियत सीमा पर इहलीला संवरण करनी होगी।'

उन्हें इन दिनों गोरखपुर जेल की नौ फीट लम्बी तथा इतनी ही चौड़ी एक कोठरी में रखा गया था। इसमें केवल छः फीट लम्बा, दो फीट चौड़ा दरवाजा था तथा एक खिड़की थी। इसी कोठरी में भोजन, स्नान, सोना, नित्य कर्म आदि सभी कुछ करना पड़ता था। मुश्किल से रात्रि में दो चार घण्टे नींद आ पाती थी। मिट्टी के बर्तनों में खाना, कम्बलों का बिस्तर, एकदम एकान्तिक जीवनचर्या। यही उनके अंतिम दिन थे। इसका उन्होंने अपनी आत्मकथा में बड़ा ही मार्मिक वर्णन किया है।

फाँसी का दिन

19 दिसम्बर, 1927 की प्रातः बिस्मिल नित्य की तरह प्रातः चार बजे उठे। नित्यकर्म, स्नान आदि के बाद संध्या उपासना की। अपनी माँ को पत्र लिखा और फिर महाप्रयाण बेला की प्रतिज्ञा करने लगे। नियत समय पर बुलाने वाले आ गए। 'वन्दे मातरम' तथा 'भारत माता की जय' का उद्घोष करते हुए बिस्मिल उनके साथ चल पड़े और बड़े मनोयोग से गाने लगे–

मालिक तेरी रजा रहे और तू ही तू रहे।
बाकी न मैं रहूँ न मेरी आरज़ू रहे।।
जब तक कि तन में जान
रगों में लहू रहे।
तेरा ही जिक्र या तेरी ही जुस्तजू रहे।।

फाँसी के तख्ते के पास पहुँचे। तख्ते पर चढ़ने से पहले उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा व्यक्त की–

I Wish the downfall of British Empire

अर्थात 'मैं ब्रिटिश साम्राज्य का नाश चाहता हूँ' इसके बाद उन्होंने परमात्मा का स्मरण करते हुए निम्नलिखित वैदिक मंत्रों का पाठ किया–

ऊं विश्वानि देव सावितर्दुरितानि परासुव।
यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

हे परमात्मा! सभी अच्छाइयाँ हमें प्रदान करो और बुराइयों को हमसे दूर करो' इत्यादि मंत्रों का पाठ करते हुए वह फाँसी के फंदे पर झूल गये।

अंतिम संस्कार

जिस समय रामप्रसाद बिस्मिल को फाँसी लगी उस समय जेल के बाहर विशाल जनसमुदाय उनके अंतिम दर्शनों की प्रतीक्षा कर रहा था। जेल के चारों ओर पुलिस का कड़ा पहरा था। पार्थिव शरीर जनता को दे दिया गया। जनता ने बिस्मिल की अर्थी को सम्मान के साथ शहर में घुमाया। हजारों लोग उनकी शवयात्रा में सम्मिलित हुए। उनका अंतिम संस्कार वैदिक मंत्रों के साथ किया गया और वे इतिहास में सदैव के लिए अमर हो गये।

नेशनल ग्रीन कोर

जैव विविधता कुछ रोचक तथ्य

1. पृथ्वी पर अनुमानतः 1.4 करोड़ जीव प्रजातियाँ है जिनमें से अभी तक केवल 17.5 लाख प्रजातियों की ही पहचान हो पाई है। इनमें से 3.42 लाख वनस्पति प्रजातियाँ तथा 14.08 लाख जन्तु प्रजातियाँ है।
2. विश्व की कुल जीव प्रजातियों की लगभग 70 प्रतिशत प्रजातियाँ, 12 देशों में पाई जाती हैं– ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, कोलम्बिया, कोस्टारिका, कांगो, इक्वेडोर, भारत, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मैक्सिको एवं पेरू।
3. भारत में अब तक लगभग 45,500 वनस्पति प्रजातियों तथा 91,000 जन्तु प्रजातियों की पहचान हो चुकी है।
4. विश्व में आज लगभग 4,000 जन्तु प्रजातियाँ तथा 60,000 वनस्पति प्रजातियाँ विलुप्ति के करार पर है। आज पृथ्वी पर प्रत्येक 8 में से एक चिड़िया, प्रत्येक 4 में से एक स्तनपायी, प्रत्येक 4 में से एक कोणधारी वृक्ष, प्रत्येक 3 में से एक उभयचर, प्रत्येक 7 में से 6 कछुए, प्रत्येक 4 में से 3 मछली प्रजातियाँ विलुप्त होने का खतरा झेल रही है।
5. भारत से वर्ष 1900 में जेरडॉन कॉर्सर पक्षी, 1935 में गुलाबी सिर वाली बतख तथा वर्ष 1946 में चीता पूर्ण रूप से विलुप्त हो चुके हैं।
6. विश्व के लगभग 60 प्रतिशत लोग औषधियों के लिए पौधों पर निर्भर करते हैं। 70,000 से अधिक पौधों की प्रजातियाँ औषधि के लिए उपयोग में ली जाती है।
7. वर्तमान में जैव प्रजातियों की विलुप्तता दर प्राकृतिक दर से 1000 गुणा अधिक हैं।
8. पृथ्वी पर मनुष्य की खाद्य आवश्यकताओं की लगभग 50 प्रतिशत पूर्ति केवल तीन प्रजातियों गेंहू, चावल व मक्का से होती है, जबकि पृथ्वी पर 30,000 वनस्पति प्रजातियाँ खाने योग्य है।
9. आई.यू.सी.एन. के अनुसार पारिस्थितिकीय क्षेत्रों से हमें प्रतिवर्ष 33 लाख करोड़ डॉलर मूल्य के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होते हैं।

हमारा स्वास्थ्य

30 टिप्स गर्मियों में चुस्त रहने के

संकलनकर्त्ता : डॉ. पी.सी. जैन

डाइट टिप्स

1. ताजा खाना खाएं और स्वस्थ रहें। गर्मियों में तुरंत पकाया हुआ भोजन ही करें, क्योंकि इस मौसम में सब्जी (खासतौर पर टमाटर–आलू वाली रसेदार सब्जियां), दालें जल्दी खराब हो जाती हैं। सुपाच्य भोजन करें और गरिष्ठ भोजन से दूर रहें।
2. सुबह उठने के एक–डेढ़ घंटे के भीतर कुछ न कुछ अवश्य खा लें या फिर ग्रीन टी लें। देर तक बिना खाए रहने से शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। थोड़ी–थोड़ी देर में खाने से ओवरईटिंग से भी बचा जा सकता है। बेहतर होगा कि दिन की शुरूआत हलके गुनगुने पानी में नींबू और शहद के साथ करें।
3. गर्मियों में चाय–कॉफी का सेवन कम करें। कैफीन से शरीर में डिहाइड्रेशन बढ़ता है। इसके बजाय जूस, आइस–टी, दही, लस्सी, छाछ, सत्तू, नींबू–पानी, आम पना, बेल शर्बत, नारियल पानी, गन्ने के रस को अपनी डाइट में शामिल करें।
4. घर में हर समय ग्लूकोज, इलेक्ट्रॉल के अलावा पुदीना और आम पना अवश्य रखें।
5. बाहर की गर्मी से आकर तुरंत फ्रिज का ठंडा पानी न पिएं। इसके बजाय सुराही, मटके या घड़े के पानी को प्राथमिकता दें।
6. मीठे की क्रेविंग हो तो बाजार की मिठाइयों के बजाये सेब, आंवले या बेल का मुरब्बा, गुलकंद या पेठा खाएं।
7. ठंडे पेय पदार्थ से दूर रहें। अत्यधिक ठंडे खाद्य या पेय पदार्थ पाचन क्रिया के अलावा शरीर के नैचरल कूलिंग सिस्टम पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
8. सुपाच्य व हलकी सब्जियां गर्मियों का उपहार है। गाजर, टमाटर, पालक, खीरे के अलावा पानी से भरपूर लौकी–तोरई जैसी सब्जियां कम कैलोरी वाली होती है, साथ ही इनसे एसिडिटी जैसी समस्याएं भी दूर होती है। इनमें गर्मी से लड़ने की ताकत होती है।

फिटनेस एक्सरसाइज

1. गर्मियों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए अलसुबह और देर शाम की वॉक करना बेहतर है। सुबह छह से सात बजे का समय मॉर्निंग वॉक के लिए सबसे अच्छा है। डिनर के बाद 15–20 मिनट की वॉक भी गर्मियों में फिट रहेगी।
2. पुशअप्स शरीर को वॉर्मअप करने के लिए जरूरी है। यह सिंपल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग है। इससे शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत होता है।
3. स्क्वॉट्स शरीर के निचले हिस्से की एक्सरसाइज है। इससे थाईज़, हिप्स, क्वॉड्स की एक्सरसाइज होती है।

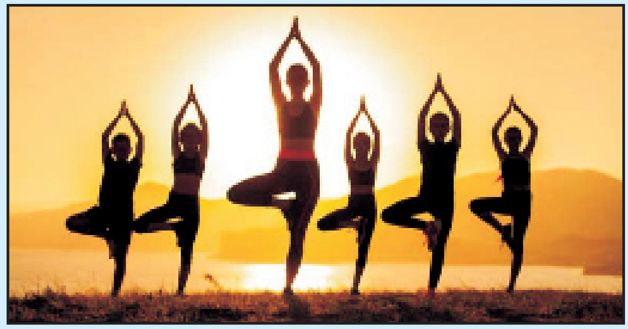

4. बर्पीज पूरे शरीर के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। इसे स्क्वॉट थर्स्ट एक्सरसाइज भी कहते हैं।
5. साइड प्लैंक्स से पेट के आस पास, पीठ और कंधों का व्यायाम होता है।
6. वॉकिंग लंजेज भी शरीर के निचले हिस्से जैसे ग्लुटील, क्वॉड्रिसेप्स और हेमस्ट्रिंग्स को मजबूत करती है। यह एक बेहतरीन कार्डियो वैस्कुलर एक्सरसाइज़ है।
7. ओब्लीक से कमर के इर्द–गिर्द जमी चर्बी दूर होती है।
8. सुपरमैन प्लैंक पॉजिशन में सुपरमैन की तरह ही खड़ा होना पड़ता है।
9. ट्राइसेप्स डिप्स में बांहों के आसपास जमा सैल्युलाइट दूर होता है।

स्त्रियों के लिए एक्सरसाइज

1. पिलेटीज स्त्रियों में लोकप्रिय व्यायाम है। नॉर्मल डिलिवरी के चार हफ्ते के बाद भी इसे किया जा सकता है। इस फिजिकल सिस्टम को जोसफ पिलेटीज ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान घायल सैनिकों को तुरंत स्वास्थ्य लाभ के लिए तैयार किया था। इसके जरिये मसल्स स्ट्रेंथनिंग व स्ट्रेचिंग हेती है।
2. योगा न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। आजकल तो क्लब और जिम में भी अष्टांग योग से पावर योगा तक कराया जाने लगा है।
3. ताइ–चाइ एक चाइनीज सिस्टम है, जिससे संतुलन व सुकून मिलता है। यह स्त्रियों के लिए बेहतर एक्सरसाइज है।
4. स्विमिंग आती है तो गर्मियों में तरोताजा रहने और बॉडी को शेप में रखने के लिए यह बेहतरीन उपाय है। टीनेजर्स के लिए तो यह बहुत जरूरी एक्सरसाइज है।
5. बैली डांसिंग और जुंबा भी हाल के दिनों में काफी पॉपुलर हो रहे हैं।
6. अगर कुछ और नहीं कर सकती हैं तो ब्रिस्क वॉक बेस्ट है। इससे वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है और इससे शरीर को कोई नुकसान भी नहीं होता।

शेष पृष्ठ सं. 25 पर

पर्यटन स्थल

पाली

कलात्मक मंदिरों का शहर

आठ जिलों से सीमा साझा करने वाला पाली का उद्‌भव, भूतपूर्व जोधपुर स्टेट से हुआ था। सुन्दर जैन मंदिरों और अलौकिक अरावली की पहाड़ियों के बीच, रणकपुर एक सुरम्य स्थल है।

रणकपुर जैन मंदिर

प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच, घाटियों से घिरा यह भव्य मंदिर, जैन समुदाय के लिए बड़ा तीर्थस्थल है। हीरे जैसे चमकते और तराशे गए यह मंदिर अलौकिक, अद्‌भुत और अद्वितीय हैं। एक जैन व्यापारी के पास दिव्य दृष्टि होने की मान्यता के बाद 15वीं शताब्दी में निर्मित, रणकपुर जैन मंदिर आदिनाथ को समर्पित है, जिन्हें जैन आध्यात्म विज्ञान में महत्वपूर्ण व्यक्तित्व माना जाता है। राज्य के शासक राणा कुंभा ने इन मंदिरों के निर्माण को प्रोत्साहन दिया। रणकपुर जैन मंदिर अरावली पहाड़ियों की एक श्रंखला में स्थित हैं। उल्लेखनीय है कि यह अनेक मंदिरों का एक परिसर है न कि मात्र एक मंदिर।

जवाई बांध

लूणी नदी की उपनदी के पार निर्मित, जवाई बांध का निर्माण जोधपुर के महाराजा उम्मेद सिंह ने करवाया था। यह पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध माना जाता है। जोधपुर शहर और पास पड़ौस के गाँवों के लिए पानी का एक प्राथमिक स्त्रोत होने के अलावा, सर्दियों में जवाई बांध प्रवासी पक्षियों, तेंदुए और मगरमच्छ के लिए स्वर्ग है।

निंबोका नाथ मन्दिर

फालना और सांडेराव मार्ग पर भगवान शिव को समर्पित निंबोका नाथ मंदिर स्थित है। पौराणिक कथा के अनुसार पांडवों की मां कुंती भगवान शिव की पूजा करती थी और अपने निर्वासनकाल में अधिकांश समय उन्होंने महादेव की पूजा करते हुए बिताया था। पांडवों ने इस क्षेत्र में नवदुर्गा का निर्माण किया था। असीम शांति युक्त इस मंदिर में वर्ष भर पर्यटकों का तांता लगा रहता है। वर्ष पर्यन्त इस मंदिर में विभिन्न मेलों के आयोजन सम्पन्न होते हैं, जो लाखों श्रृद्धालुओं के साक्षी बनते हैं।

रणकपुर बाँध/सेतु (डैम)

रणकपुर डैम या बाँध पर्यटकों के लिए एक प्रसिद्ध गन्तव्य स्थल है, जहाँ आकर आप अपने कुछ फुर्सत के आरामदायक क्षण बिता सकते हैं। यह डैम एक शांतिपूर्ण, सुकून भरे गाँव में स्थित है जो कि 'रणकपुर' कहलाता है और यह राजस्थान के पाली जिले में

पड़ता है। रणकपुर के जैन मन्दिर के पास में स्थित यह डैम वास्तव में देखने लायक प्राकृतिक सुन्दरता का स्थान है जो कि शहर की कोलाहल भरी जिन्दगी से दूर, पूर्ण रूप से अवकाश बिताने की जगह है। यहाँ आने वाले और शांति खोजने वाले के लिए, साफ सुथरे पहाड़ों के बीच में इसका छलकता, मचलता पानी अपने मन को खींच कर बांधने के लिए काफी है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय चारों तरफ हरियाली से घिरा यह डैम बहुत सुन्दर दिखाई देता है। आपकी चेतना को लुभाने के लिए और अपने व्यस्त समय में से चुपके से कुछ विलासपूर्ण क्षण चुका कर, इस जगह को अवश्य देखने आइए। आप डैम तक आसानी से पहुंच सकते हैं और प्रकृति के सब से उत्कृष्ट दृश्य, हसीन नजारे यहाँ देख सकते हैं।

समंद झील (सरदार समंद)

समंद झील जो कि 'सरदार समंद झील' भी कहलाती है। जोधपुर से दक्षिण पूर्व की ओर लगभग 60 कि. मी. की दूरी पर, जोधपुर – पाली रूट से थोड़ा हट कर स्थित है। सन् 1933 में महाराजा उमेद सिंह द्वारा विकसित की गई यह झील, 'सरदार समंद लेक पैलेस' (महल) के पास में ही स्थित है। इस झील की प्राकृतिक सुन्दरता को देखते हुए, इसे पक्षी पक्षियों का स्वर्ग कहलाने का श्रेय प्राप्त है। इस झील की ओर, स्थानीय के साथ साथ प्रवासी पक्षी भी आकर्षित होते हैं, जिन्हें यहाँ इकट्ठा होते देखकर बड़ा लुभावना दृश्य प्रतीत होता है। इस झील को जब आप देखने आएंगे तो आपपको यहाँ बहुत ही सुन्दर पक्षियों के झुंड क्षितिज की ओर उड़ते हुए या झील में तैरते हुए दिखाई देंगे, जैसे हिमालयन ग्रिफॉन (हिमालयीय गिद्ध), पीली टांगों वाले हरे कबूतर, डैलमेशियन (चितकबरी हवासील/बत्तख) और भी कई तरह की सुन्दर चिड़ियाँ। आइए,

प्रकृति की प्राकृतिक और अद्भुत सुन्दरता को देखने के लिए आप समंद झील की यात्रा की योजना बनाइए। सरदार समंद लेक पैलेस के साथ में दिखाई देने वाली यह झील बहुत ही शांत और निर्मल दिखाई देती है। इस झील की तरफ आते हुए रास्ते में आपको एक वन्य जीव स्थल भी दिखाई देगा, जिसमें आप चिंकारा, नीलगाय और काले हिरण देख सकते हैं। इसके साथ ही आप यहाँ बिश्नोई समुदाय के गाँव भी देख सकते हैं जहाँ आप बिश्नोई जनजातीय समुदाय के लोगों को देख कर अपना अनुभव और अधिक समृद्ध कर पाएंगे।

सूर्य मन्दिर

रणकपुर में स्थित सूर्य मंदिर एक बहुत प्रसिद्ध सूर्य मंदिर है, जो कि 'सूर्य नारायण मंदिर' कहलाता है। पहली बार 13 वीं शताब्दी में बना यह मंदिर, पन्द्रहवीं शताब्दी मे पुनर्निर्मित करवाया गया था। इसका निर्माण 'नागारा' स्टाइल में शोभायमान, सफेद चूना पत्थर से जटिल विस्तृत कला में करवाया गया है। इस मंदिर की सुसम्पन्न दीवारें इसे शानदार और विशाल रूप में स्थापत्य कला का बेमिसाल नमूना बनाती हैं। इस पवित्र स्थान में यह मंदिर पूर्व की ओर मुख किए हुए है तथा चिखारा के साथ ताज पहनाया हुआ है। मंदिर से पहले एक अष्टकोणीय मण्डप भी बना हुआ है। मण्डप के साथ बने हुए छः बरामदे, इस मण्डप की सुन्दरता को और बढ़ा देते हैं। जैसे ही आप मंदिर में कदम रखेंगे, आपको सूर्य भगवान की शानदार मूर्ति एक रथ पर सवार दिखाई देगी। मंदिर की दीवारों पर शानदार नक्काशी/संगतराशी में घोड़ों का विशाल समूह, खगोलीय पिण्डों की आकृतियों तथा योद्धाओं की आकृतियां नजर आएंगी। गुजरे जमाने की कलात्मक उत्कृष्टता दर्शाते हुए, यह मंदिर स्थापत्य कला का और सुन्दरता का बेजोड़ नमूना है। रणकपुर का यह सूर्य मंदिर पूरे देश में असंख्य श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है, जो कि सूर्य भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर में दर्शनार्थ आते हैं। इस मंदिर के पास के क्षेत्र में ही बने 'अम्बा माता मंदिर' और रणकपुर के जैन मंदिर के दर्शन हेतु भी बहुत से श्रद्धालु यहां आते हैं। इस मंदिर की देख रेख तथा प्रशासन, उदयपुर के राजसी परिवार के ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। आइए, यहां आकर इस मंदिर को अवश्य देखिए और इसके प्राचीन काल के वैभव तथा अद्भुत नक्काशी/संगतराशी की महिमा और महत्व का आनंद लीजिए।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में **'सुरक्षा ज्ञान'** दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

स्वस्थ पुरूष
HEALTHY MAN

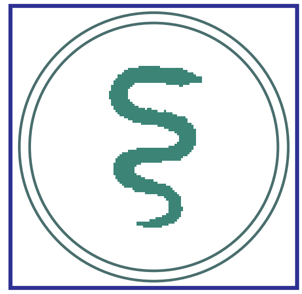

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसी बात से अवगत कराना स्वस्थ पुरूष दक्षता बैज का उद्देश्य है। स्वस्थ पुरूष बनने के लिए क्या करना चाहिए व क्या नहीं करना चाहिए, की जानकारी इस दक्षता बैज के पाठ्यक्रम में इंगित की गई है।

(1) हृदय, फेफड़ों, त्वचा, दाँतों, पैरों, आमाशय तथा विशेष ज्ञानेन्द्रियों के अंगों (नाक, कान, आँख) को सही हालत में रखने की जानकारी हो तथा इनको ठीक हालत में रख सके और उन प्रमुख खतरों को जाने जिनसे इन्हें बचाया जा सकता है।

(2) खाने, पीने, सोने, साँस लेने, सफाई करने और व्यायाम करने के सामान्य नियम बताए तथा इन नियमों को कम–से–कम 12 माह तक पालन करने का प्रमाण प्रस्तुत करें।

(3) ताजी हवा के महत्व को जाने तथा कमरे को हवादार बनाने की जानकारी रखें।

(4) तम्बाकू, शराब, अफीम तथा अन्य नशीली दवाओं से उत्पन्न होने वाले खतरों को जाने, शक्ति से अधिक शारीरिक–श्रम करने और एक ही प्रकार का निरन्तर व्यायाम करते रहने की हानियों को जाने।

(5) शरीर के प्रत्येक अंग को सुदृढ़ व पुष्ट करने के लिए एक टोली को सरल व्यायाम सिखाए तथा उनके कारणों को बताए।

जड़ी–बूटी विज्ञ
HERBALIST

जड़ी बूटियों का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। भारतीय आयुर्विज्ञान में जड़ी बूटियों से सभी बीमारियों की चिकित्सा की जाती है। यह हमारे लिए प्रकृति का अनमोल उपहार है। दैनिक जीवन में खान–पान हो या उपचार; हर जगह इनका अपना महत्व व गुण है। जड़ी–बूटियों की जानकारी प्रदान कराने के उद्देश्य से जड़ी–बूटी विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विवरण निम्नानुसार है –

(1) औषधि के रूप में तथा भोजन बनाने के काम आने वाली 12–12 प्रकार की जड़ी–बूटियों को एक संग्रह–पुस्तिका में सुन्दर रूप में लगाए। इस संग्रह में उनकी पत्तियाँ, जड़ें और छाल होनी चाहिए। इनके मिलने के स्थान, इनको तुरन्त पहचानने की दक्षता हो एवं उनका ठीक–ठीक प्रयोग करने की जानकारी हो।

(2) आधा दर्जन जड़ी–बूटियों के औषधि–महत्व का जाने।

(3) जड़ी–बूटियों के संग्रह–भण्डार को तैयार करें और उसको तीन माह तक व्यवस्थित रखें।

पृष्ठ सं. 22 का शेष

30 टिप्स गर्मियों में चुस्त रहने के

7. जिमिंग बहुत कारगर है, लेकिन इसे किसी कुशल इंस्ट्रक्टर की देखरेख में ही किया जाना चाहिए। पहली बार जिम जाने वाली स्त्रियों को ध्यान रखना चाहिए कि वे हलकी–फुलकी एक्सरसाइज ही करें।

कूल मंत्र

1. गर्मी में रोज कम से कम तीन लीटर पानी पिएं। एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटी से पहले और बाद में भी पानी या लिक्विड पदार्थ लें।
2. डाइट में सूप, सैलेड और फ्रूट्स बढाएं। खाना कम मसालेदार व हलका हो।
3. सफाई का पूरा ध्यान रखें। इस मौसम में पानी जनित बीमारियां फैलती है। हाथों को साफ करते रहें। देर तक कटे फल न खाएं, बाहर खाने से परहेज करें।

क्या न करें

1. फल व सब्जी का जूस एक साथ न पिएं। इनमें कम से कम 3–4 घंटे का अंतराल रखें।
2. एक साथ तीन से अधिक फलों का जूस मिक्स करके न पिएं।
3. डिब्बाबंद या केन वाले जूस से बचें। घर में जूस बना रहे हों तो उसमें बर्फ या ऊपर से चीनी न मिलाएं ताकि अतिरिक्त कैलरी से बच सकें।

गतिविधि पञ्चांग

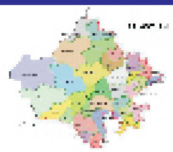

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
कमिश्नर बेसिक कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	08 से 12.06.2023
रोवर/रेंजर साहसिक शिविर	कुर्सियांग दार्जिलिंग(वेस्ट बंगाल)	08 से 12.06.2023
स्काउटर/गाइडर शैक्षणिक भ्रमण	कुर्सियांग दार्जिलिंग(वेस्ट बंगाल)	12 से 16.06.2023
सचिव प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	14 से 18.06.2023
मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	30.06.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत केन्द्र न.1	21 से 25.07.2023 तक
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधिां (एक दिवसीय वन भ्रमण)	ग्रुप स्तर पर	31.07.2023 तक
ग्रुप स्तरीय हाइक (पैदल) स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर	ग्रुप स्तर पर	31.07.2023 तक
सचिव/संयुक्त सचिव संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.07.2023 तक
प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर सेमिनार	मण्डल स्तर पर	31.07.2023 तक
मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.07.2023 तक

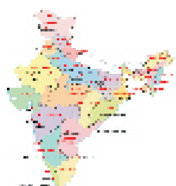

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
Signalling Course	29 May - 02 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Mapping & Star Gazing Course	29 May - 02 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Pioneering and Estimation Course	29 May - 02 June, 2023	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	05 - 09 June, 2023	Manali, Himachal Pradesh
Warden cum Quarter Masters Course	05 - 09 June, 2023	NTC, Pachmarhi
First Aid Course	05 - 09 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Pre-ALT Course (Guide Wing)	05 - 09 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Leader Trainers Course (Guide Wing)	05 - 11 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Basic Course for Commissioners (Common)	12 - 16 June, 2023	NTC, Pachmarhi
National Level Rover/Ranger Samagam	12 - 16 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Assistant Leader Trainers Course (Guide Wing)	12 - 18 June, 2023	NTC, Pachmarhi

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
38th World Conference in Nicosia	26 - 31 July, 2023	Cyprus, Nicosia
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

विभिन्न आयोजनों की झलकियां

प्रशिक्षण केन्द्र, आबूपर्वत पर आयोजित राष्ट्रपति गाइड अवार्ड प्रशिक्षण शिविर में भाग लेती हुई गाइड्स

लोकार्पण समारोह में भामाशाह श्रीमती लीला कुमारी जैन व अन्य को सम्मानित करते हुए जिला कलक्टर पाली

सुभाष नगर, भीलवाड़ा स्थित रा.उ.मा.वि. में प्रधानाचार्या उर्मिला जोशी के मार्गदर्शन में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध प्रदर्शन में भाग लेते हुए स्काउट, गाइड, कब व बुलबुल

शिविर, संगोष्ठी व रैली में शिरकत करते हुए रोवर, रेंजर व स्काउटर गाइडर

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com